विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 186 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

ज्ञानामृत

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।

▶▶ रामायण

गुरु पूर्णिमा आज

आसन में अनुशासन है: मुख्यमंत्री साय

विजय मत, ब्यूरो सरगुजा। मैनपाट सांसद-विधायक प्रशिक्षण शिविर में तीसरे दिन बुधवार को भी योग किया गया, सीएम साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर बताया, "समत्वं योग उच्यते" योग भारत की सनातन परंपरा का वह दिव्य सूत्र है, जिसके प्रत्येक आसन में अनुशासन है, प्रत्येक श्वास में ध्यान है और प्रत्येक क्षण में आत्मिक संतुलन की अनुभूति होती है। बुधवार को सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के तृतीय दिवस पर प्रातःकालीन योग सत्र में सम्मिलित हुआ। बता दें कि कल शिविर में विकसित छत्तीसगढ़ अवसर और चुनौती विषय पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए कठोर निर्णय लेने पड़ रहे हैं। प्रशासनिक विसंगतियों पर हमको कठोर होना पड़ेगा तब हम निर्णय ले पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक स्कूल में 12 शिक्षक हैं यदि उनको एकल शिक्षकीय या शिक्षक विहीन स्कूल में नहीं भेजेंगे तो शिक्षा व्यवस्था चरमरा जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोषीय घाटे का संरक्षण बड़ी चुनौती है। राजकोषीय घाटा को कम करने के लिए हम जो योजनाएं लॉन्च कर रहे हैं, उसके लिए पैसे की व्यवस्था भी कर रहे हैं। हमने जीएसटी का कलेक्शन बढ़ाया है। आबकारी और माइनिंग के लीकेज को बंद किया है।

मानसून अपडेट: रायपुर समेत 21 जिलों में यलो अलर्ट, 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

बारिश से बेहाल : 12 जिलों में बाढ़ स्कूल बंद, इंद्रावती में नाव हादसा

विजय मत, रायपुर

प्रदेश में मानसून सक्रिय हो चुका है और बीते चार दिनों से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में भारी बारिश के चलते जलभराव की स्थिति बन गई है, नदी-नालों का जलस्तर बढ़ चुका है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए भी अलर्ट जारी किया है। बारिश ने गर्मी से तो राहत दिलाई है लेकिन इसकी तीव्रता और लगातार जारी रहने के कारण कई जिलों में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ सहित 21 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। राजधानी रायपुर में लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया है। खारून नदी का जलस्तर बढ़ने से तटीय इलाकों में खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक जोरदार बारिश की चेतावनी दी है और लोगों को सावधानी बरतने को कहा है। दुर्ग जिले के थनौद गांव में शिवनाथ नदी में आई बाढ़ में फंसे 32 मजदूरों को एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला। ये सभी भारत माला परियोजना के तहत निर्माण कार्य के लिए आए हुए थे। गरियाबंद के रवेली गांव में लोग उफनते नाले को पार करने को मजबूर हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

कोरबा के देवप्रहरी वाटरफॉल में फंसे 5 लड़के-लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

स्कूल-आंगनबाड़ी में छुट्टी

भारी बारिश के मद्देनजर कई जिलों में स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद कर दिया गया है। धमतरी जिले में कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने एक दिवसीय अवकाश घोषित किया है, वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में 9 और 10 जुलाई को दो दिन की छुट्टी घोषित की गई है।

रायगढ़ में सबसे ज्यादा बारिश, बेमेतरा में सबसे कम... प्रदेश में अब तक औसतन 336.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बारिश रायगढ़ जिले में 473.5 मिमी और सबसे कम बेमेतरा में 153.0 मिमी दर्ज की गई है। रायपुर में दो दिनों में ही 140 मिमी पानी गिर चुका है।

वज्रपात से तीन की मौत, नाव हादसे में ग्रामीण लापता

बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। कवर्धा जिले के भौराटोला में बिजली गिरने से 17 वर्षीय रामप्यारी की मौत हो गई। वहीं एक अन्य घटना में एक ही परिवार की दो महिलाओं की साग तोड़ते समय बिजली गिरने से मौत हो गई। दंतेवाड़ा जिले में इंद्रावती नदी में नाव पलटने की खबर है। नाव में सवार ग्रामीण बोधघाट बाजार से लौट रहे थे। नाव पलटने से एक व्यक्ति लापता है जबकि एक चट्टानों के बीच फंसा हुआ है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

बाढ़ की आशंका और प्रशासनिक निगरानी... मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार सहित 12 जिलों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई है। राजिम में महानदी का जलस्तर बढ़ने से कुलेश्वर महादेव मंदिर की सीढ़ियां जलमग्न हो चुकी हैं। रायगढ़ में केलो नदी पर बने डैम के दो गेट खोलने पड़े हैं। सरकार और जिला प्रशासन हालात पर निगरानी बनाए हुए है।

न्यूज इन शॉर्ट

राजस्थान के चूरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश, पायलट और को-पायलट की मौत

चूरू, एजेंसी। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां बड़े इलाके में फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा है। यह हादसा बुधवार (9 जुलाई) को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया- राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है।

शेयर बाजार लाल निशान पर हुआ बंद; सेंसेक्स 176 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली के कारण बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। कंपनियों के नतीजों का सीजन शुरू होने से पहले निवेशकों ने सतर्कता बरती और वैश्विक स्तर पर मिलेजुले रुख अपनाए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 176.43 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 83,536.08 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 330.23 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 83,382.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.40 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,476.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ गए। वहीं बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड लाभ में रहे। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता के शेयर बीएसई पर 3.38 प्रतिशत गिरकर 440.80 रुपये पर बंद हुए। यह गिरावट अमेरिकी शॉर्ट सेलर वायसराय रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद आई, जिसमें अरबपति अनिल अग्रवाल के खनन समूह को "वित्तीय रूप से अस्थिर" बताया गया।

इसरो ने गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया, अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी हुई तेज

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने 3 जुलाई को तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित अपने प्रपल्शन कॉम्प्लेक्स में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रपल्शन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो 'हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरे किए। इन परीक्षणों की अवधि एक बार 30 सेकंड और दूसरी बार 100 सेकंड रही। इनका उद्देश्य यह था कि गगनयान के लिए तैयार की जा रही प्रणाली की संरचना और कार्यक्षमता की जांच की जा सके। यह परीक्षण गगनयान मिशन की तैयारी का एक अहम हिस्सा था, जिससे यह साबित हुआ कि अंतरिक्ष यात्रा के दौरान प्रपल्शन प्रणाली सही ढंग से काम करेगी। यह सफलता भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की ओर एक और मजबूत कदम है।

केंद्र ने छत्तीसगढ़ को डीएमएफ संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया सम्मानित

विजय मत, रायपुर

भारत सरकार के खान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में बुधवार को आयोजित एक दिवसीय नेशनल डीएमएफ वर्कशॉप के दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज सचिव पी. दयानंद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। खान मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना द्वारा नेशनल डीएमएफ पोर्टल में समस्त राज्यों के डीएमएफ से संबंधित डेटाबेस का संधारण किया जा रहा है।

पत्नी के चरित्र पर शक बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने का आधार नहीं: बॉम्बे हाईकोर्ट

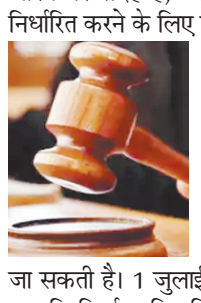

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने कहा है कि सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह है, उसके नाबालिग बच्चे का पितृत्व निर्धारित करने के लिए डीएनए परीक्षण कराने का आधार नहीं बनता। एक पारिवारिक कोर्ट की ओर से नाबालिग लड़के का डीएनए परीक्षण कराने के आदेश को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति आरएम जोशी ने कहा कि ऐसी आनुवंशिक जांच केवल असाधारण मामलों में ही कराई जा सकती है। 1 जुलाई के आदेश में न्यायमूर्ति जोशी ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि कोई व्यक्ति व्यभिचार के आधार पर तलाक का हकदार होने का दावा करता है या चरित्र पर शक होने को अपना आधार मानता है तो डीएनए परीक्षण कराने का आदेश देने का कोई उचित मामला नहीं बनता।

नामीबिया में पीएम मोदी का भव्य स्वागत, सांस्कृतिक जुड़ाव को सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नामीबिया की राजधानी विंडहुक पहुंचने पर भारतीय प्रवासियों ने जोरदार स्वागत किया। पीएम मोदी का नामीबिया का यह पहला दौरा है और किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अब तक तीसरा आधिकारिक दौरा है। प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर योग प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनका स्वागत हुआ। प्रवासी भारतीयों ने उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की और उन्हें उपहार व चित्र भेंट किए। इस दौरान पीएम मोदी ने सभी से आत्मीयता से मुलाकात की और उनके स्नेह को सराहा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नामीबिया में भारतीय समुदाय द्वारा विशेष स्वागत, भारत-नामीबिया मित्रता को लेकर उनका उत्साह दिखाता है। मुझे हमारे प्रवासी समुदाय पर अत्यधिक गर्व है, खासकर इस बात पर कि उन्होंने अपनी संस्कृति और परंपराओं से आज भी गहरा जुड़ाव बनाए रखा है।

महिसागर नदी पर बने पुल का एक हिस्सा गिरा, नौ लोगों की मौत

वडोदरा, एजेंसी

गुजरात के वडोदरा जिले के पादरा तालुका में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले एक पुल का हिस्सा ढह गया। पुल के टूटते ही कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ लोगों को बचा लिया गया है।

इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने हादसे के शिकार हुए लोगों के लिए मुआवजे का भी एलान किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह आणंद और पादरा को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा महिसागर नदी में गिर गया।

भारत को ट्रंप की एक और धमकी

अगर भारत ब्रिक्स में है तो उसे भी 10% अतिरिक्त टैरिफ देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिक्स देशों द्वारा एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में बढ़ोतरी को 'अवैध और मनमाना' बताते हुए उस पर गहरी चिंता जताने के कुछ ही दिन बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स पर निशाना साधा और कहा कि भारत, जो ब्रिक्स के पांच संस्थापक सदस्यों में शामिल है, उस पर अब 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा।

ट्रंप ने मंगलवार (8 जुलाई) को संवाददाताओं से कहा, 'अगर वे (भारत) ब्रिक्स में हैं तो उन्हें 10 प्रतिशत टैक्स देना ही होगा, क्योंकि ब्रिक्स को हमारे खिलाफ खड़ा करने के लिए बनाया गया था, हमारे डॉलर को कमजोर करने और उसे स्टैंडर्ड से हटाने के लिए। अगर वे ऐसा खेल खेलना चाहते हैं, तो मैं भी अपना खेल खेल सकता हूं। ब्रिक्स में जो कोई भी है, उस पर 10 प्रतिशत टैक्स लगेगा। भारत को भी देना पड़ेगा।'

भारत को लेकर ट्रंप की यह चेतावनी 6 जुलाई को ब्रिक्स द्वारा जारी उस संयुक्त बयान के बाद आई है, जिसमें भारत सहित सदस्य देशों ने टैरिफ को लेकर आलोचना की थी। रियो डी जनेरियो में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया था।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, रूस ने दागे 728 ड्रोन और 13 मिसाइलें

कीव, एजेंसी। यूक्रेन पर रूस ने मंगलवार रात को रिकॉर्ड 728 ड्रोन और 13 मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायुसेना ने इस हमले को अब तक का सबसे बड़ा हमला करार दिया है। इन ड्रोनों में ईरान निर्मित 'शहीद' ड्रोन और कई डिकॉय ड्रोन शामिल थे। हमले का मुख्य निशाना यूक्रेन का पश्चिमी वोलिन क्षेत्र और उसकी राजधानी लुत्स्क रहा, जो पोलैंड और बेलारूस की सीमा से सटा हुआ है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि उसने 296 ड्रोनों और सात मिसाइलों को मार गिराया। बाकी 415 ड्रोन या तो रडार से गायब हो गए या फिर इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक से निष्क्रिय कर दिए गए। यह हमला रातभर चला और इसका असर कई इलाकों में बिजली सप्लाई और संचार नेटवर्क पर पड़ा। इससे नागरिकों में दहशत फैल गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस द्वारा किए गए हालिया ड्रोन और मिसाइल हमलों में देश का उत्तर-पश्चिमी शहर लुत्स्क सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

चुनाव आयोग बिहार में हमारे वोटरों की चोरी कर रहा, यही महाराष्ट्र में किया था: राहुल

पटना, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला है। पटना में इंडिया गठबंधन के चक्काजाम में प्रदर्शन करने पहुंचे राहुल गांधी ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार चुनाव को महाराष्ट्र के तरह ही चोरी करने की कोशिश की जा रही है। गरीबों के हक को छीनने की साजिश रची जा रही है। लेकिन हमलोग ऐसा नहीं करने देंगे। हमलोग बिहार की जनता का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे। इंडिया गठबंधन बिहार की जनता के साथ खड़ा है।

विजय मत एंकर | मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से गांव में सौर ऊर्जा परियोजनाओं का हुआ क्रियान्वयन

सौर ऊर्जा से जगमगाया बस्तर का बेस्ट टूरिज्म विलेज धुड़मारास

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिला के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाला छोटा सा आदिवासी गांव धुड़मारास आज विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना चुका है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा दुनिया के 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल यह गांव अब पर्यावरणीय संरक्षण और सतत विकास का मॉडल बनकर उभरा है।

प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक जीवनशैली से परिपूर्ण यह गांव, अब सौर ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर अंचल में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। धुड़मारास गांव में क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा आधारित विभिन्न परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर स्वच्छ पेयजल, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था और शैक्षणिक संस्थानों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के माध्यम से गांव में 03 नग सोलर ड्यूल पम्प की स्थापना कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 02 नग सोलर हाईमास्ट संयंत्र की स्थापना कर रात्रिकालीन प्रकाश की व्यवस्था की गई है। ग्राम की गलियों में सोलर पावर स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं। प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में सौर ऊर्जा आधारित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश राणा द्वारा परियोजनाओं की निरंतर निगरानी कर कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा बस्तर जिले के धुड़मारास गांव और चित्रकोट गांव को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ गांव के रूप में पुरस्कृत किया गया है। प्राकृतिक रूप से समृद्ध धुड़मारास गांव कांगेर नदी की सुरम्य धारा, हरियाली, जैव विविधता एवं पारंपरिक बस्तरिया संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा ट्रैकिंग ट्रेल, कैंपिंग साइट और होम-स्टे की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। स्थानीय शिल्पकारों व कलाकारों को प्रोत्साहन देकर पारंपरिक हस्तशिल्प को बाजार से जोड़ा जा रहा है। सड़क एवं परिवहन सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।

कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

सार समाचार

सडक दुर्घटना पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक कैशलेश उपचार की सुविधा

बलौदाबाजार/विजय मत। केंद्र सरकार ने देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ईलाज की योजना से सम्बंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को प्रति व्यक्ति डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस ईलाज की पात्रता होगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी किया है। यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार कोई भी व्यक्ति जो किसी सड़क पर मोटर वाहन के उपयोग से होने वाली दुर्घटना पीड़ित होता है,वह ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिन की अवधि के लिए किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित व्यक्ति 1 लाख 50 हजार रुपये तक कैशलेस इलाज की पात्रता प्रावधानित है। इसके साथ ही राहवीर योजनान्तर्गत कोई भी व्यक्ति जो गंभीर सडक दुर्घटना में पीड़ित की तत्काल सहायता करके अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर में पहुंचाकर चिकत्सा उपचार हेतु पहल कर जान बचाई हो ऐसे राहवीर व्यक्ति गुड सेमेरिटन को 25 हजार रुपये तक पुरस्कार की राशि देने का प्रावधान है। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले में इन दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

श्रम विभाग ने मजदूरों को दिलाई लंबित मजदूरी राशि

बलौदबाजार/विजय मत। श्रम विभाग बलौदाबाजार द्वारा एक निजी कंपनी में काम करने वाले 33 मजदूरों का दो माह से लंबित मजदूरी राशि 5 लाख 73 हजार रुपये का भुगतान कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डीसीपीएल रेल एण्ड इंजीनियरिंग प्रा.लि. बलौदाबाजार अंतर्गत फेब्रिकेशन का कार्य करने वाले मजदूरों को माह मई एवं जून कुल दो माह की मजदूरी राशि प्रदान नहीं किया गया था। बलौदाबाजार विकासखण्ड के मगरचबा रोड,खोरसीनाला पनगांव निवासी अस्थेश्वर रात्रे एवं अन्य 32 मजदूरों के साथ कार्यालय श्रम पदाधिकारी बलौदाबाजार में शिकायत दर्ज कराई। श्रम विभाग ने उक्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए दोनो पक्षों को बैठक बुलाया गया। बैठक में अनावेदक संस्थान द्वारा उक्त राशि दिलाये जाने के संबंध में आश्वासन दिया गया था। श्रम विभाग द्वारा मजदूरों को उनकी बकाया मजदूरी राशि 573112 रुपए चेक के माध्यम से प्रदान की गई।

सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने तथा चखना सेंटर संचालकों पर की गई कार्यवाही

बलौदाबाजार/विजय मत। जिला पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देश पर अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। मंगलवार को जिला पुलिस टीम द्वारा सायं के समय शराब भट्टी के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सडक मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, ठेला आदि में पीने, बैठने की सुविधा उपलब्ध कराकर अवैध रूप से शराब पिलाने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले कुल 8 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही किया गया है।

अवैध रूप से शराब परिवहन करने वाले दो आरोपीयों को किया गया गिरफ्तार

जालबांध/विजय मत। ग्राम पवनतर में जालबांध पुलिस के द्वारा अवैध रूप से शराब ले जाते दो आरोपियों का पकड़ा गया।आरोपियों के पास से 50 नग देशी प्लेन शराब का पाउवा एवं मोटर सायकल जब्त किया गया। आरोपिया के खिलाफ पुलिस चौकी जालबाँधा में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी नीलकंठ बंजारे, शुभम यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जरल भेजा।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

राजनांदगांव/विजय मत। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत महंत बलरामदास स्टेट स्कूल परिसर राजनांदगांव में पौधरोपण एवं राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य पर्यटन मंडल नीलू शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधयों द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2023 में 83 एवं वर्ष 2024 में 33 कुल 116 सफल स्काउट गाइड रोवर रेंजर को राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर की गतिविधियों में सहभागी बनने के लिए स्काउट गाइड रोवर रेंजर को प्रशंसा करते हुए राज्य पुरस्कार के लिए बधाई दी।

पीड़ितों को सार्वजनिक भवनों में ठहराकर दिया गया भोजन पानी

मूसलाधार बारिश से जलमग्न हुई निचली बस्तियां, जनजीवन अस्त-व्यस्त

विजय मत, भिलाई नगर

मूसलाधार बारिश के चलते आज सुबह शहर की निचली बस्तियों में जलजला सा हो गया। भट्टी थाना पुलिस परिसर ,कोसा नगर, लक्ष्मी नगर और राधिका नगर क्षेत्र के घरों में घुटने से भी ज्यादा पानी भर जाने से लोगों के राशन से लेकर अन्य घरेलू सामान भीगकर खराब हो गए। नगर निगम की टीम ने सुबह सुबह प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। लोगों को सार्वजनिक भवनों में शरण देकर भोजन पानी की व्यवस्था की गई। भिलाई टाउनशिप सहित भिलाई-3 चरोदा और कुम्हारी क्षेत्र में भी बारिश के चलते निचली बस्तियों में रहने वालों को परेशानी उठानी पड़ी है। भिलाई - दुर्ग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जहां नदी नाले उफान पर हैं वहीं शहरी क्षेत्र में भी जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भिलाई शहर की निचली बस्तियां तरबतर हो गई है। प्रमुख आवाजाही वाली सड़क और अंदरूनी गलियों में पानी भर जाने से नाले का स्वरूप नजर आया। कामकाजी लोगों को लगातार हो रही बारिश के चलते गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कत हुई। वहीं शहर के अनेक निचली बस्तियों में बारिश का पानी घरों में घुसने से रोजमर्रा की जरुरतों वाली सामान भीग गए।

शहर के ज्यादातर रेलवे अण्डरब्रिज के लबालब भर जाने से

लोगों को पटरी पार आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लगातर बारिश होने से भिलाई के कोसा नाला बस्ती, अटल आवास, लक्ष्मी नगर, राधिका नगर, कोहका आदि क्षेत्रों में बारिश मानो कहर बनकर टूट पड़ी है। सुपेला और भिलाई भट्ठी थाना में बारिश का पानी प्रवेश कर गया है।

साथ ही केम्प, सुपेला, खुसीपार जैसे क्षेत्र की कई कालोनियां जलमग्न हो जाने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो

भिलाई-चरोदा में भी कई जगह भरा पानी

लगातार बारिश के चलते भिलाई – चरोदा नगर निगम क्षेत्र के कई वार्डों में पानी भरने की शिकायत सामने आई है। भिलाई-3 के विश्वबैंक कॉलोनी, शांति नगर, बजरंग पारा, आजाद चौक और रेलवे कॉलोनी सहित चरोदा शहरी क्षेत्र के कुछ वार्ड में अंदरुनी सड़क नाले में तब्दील हो गई थी। भिलाई-3 के स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर जलमग्न हो गया। नगर निगम के स्वच्छता निरीक्षक बीनू वर्मा ने बताया कि बारिश थमने के साथ ही पानी निकासी का काम शुरू किया गया। निगम का अमला जेसीबी वाहन के साथ पानी निकालने में जुटा रहा।

गया। भिलाई के महापौर नीरज पाल निगम के अधिकारियों के साथ बारिश प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। महापौर ने बताया कि जिन क्षेत्रों में पानी भरा है वहां पर राहत कार्य किए जा रहे हैं। नगर निगम का अमला पूरे संसाधनों के साथ बारिश के पानी की व्यवस्थित निकासी में जुट गया। ताकि लोगों को कुछ राहत मिल पाए। लोगों को सुरक्षित स्थान पर रखकर उनके भोजन पानी की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जा रही है।

श्रावण मास में अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में निःशुल्क भंडारा के लिए भोजन सामग्री रवाना

हर-हर नर्मदे, बोल बम के जयकारों के साथ रवाना हुई भक्ति और सेवा की गाड़ी

विजय मत, कवर्धा

श्रावण मास के पावन अवसर पर अमरकंटक से कवर्धा तक निकलने वाली कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और कांवड़ियों के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल पर मृत्युंजय आश्रम, अमरकंटक में प्रतिदिन निःशुल्क भंडारा संचालित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज विधायक कार्यालय से भंडारे के लिए आवश्यक भोजन सामग्री से भरे दो वाहनों को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, विजय पटेल, निशांत झा, मंजीत बैरागी, नरेन्द्र मानिकपुरी, अमर कुर्रे, पार्षद सुनील साहू, अजय ठाकुर, डोनेश ठाकुर, दीपक

सिन्हा, सौखी अहिरवार प्रवीण परिहार, रामसिंह ठाकुर, सहित जनप्रतिनिधियों, पार्षदगण की उपस्थिति में हर-हर नर्मदे और बोल बम के जयकारों के साथ भोजन सामग्री वाहनों को विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात अमरकंटक के लिए रवाना किया गया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की इस पहल के अंतर्गत मृत्युंजय आश्रम में आने वाले श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को निःशुल्क ठहरने और भोजन की सुविधा दी जा रही है। भोजन में दाल, भात, सब्जी, खीर, पूड़ी, हलवा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन प्रतिदिन श्रद्धालुओं को परोसे जाएगे वह भी पूरी श्रद्धा और आत्मीयता के साथ। मृत्युंजय आश्रम में संचालित इस भंडारे की लोकप्रियता और व्यापक सेवा भाव का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि विगत वर्ष लगभग 80,000 श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने इस निःशुल्क सेवा का लाभ उठाया था। इस वर्ष भी उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, की सहभागिता से यह सेवा और भी विस्तार के साथ संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु अमरकंटक से जल लेकर भोरमदेव और बुढ़ामहादेव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए पदयात्रा करते हैं। ऐसे में मृत्युंजय आश्रम में संचालित यह भंडारा भक्ति के साथ-साथ सेवा का प्रतीक बन गया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की यह पहल जनआस्था के प्रति संवेदनशीलता, धार्मिक समर्पण और सामाजिक सेवा के आदर्श को साकार करती है।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान

हितग्राहियों एवं ग्रामीणों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

विजय मत, बालोद

केन्द्र सरकार के द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं और अन्य बुनियादी ढाँचों को परिपूर्णता प्रदान करने तथा उनके व्यक्तिगत अधिकारों से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से जिले में धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत आज गुरूर विकासखण्ड के ग्राम बगदई एवं डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम भरीटोला में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर में आदिवासी वर्ग के हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभन्वित किया गया। आज आयोजित शिविर में आदिवासी वर्ग के हितग्राहियों को नया आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, आय, जाति प्रमाण पत्र आदि की सौगात मिलने के अलावा इन वर्गों के हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। आज आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर में तृप्ति, सीमा साहू, अनिता, जयंत्री, रेखा बाई, दानेश्वरी, पुष्पांजलि, डिकेश्वरी, भुवनेश्वरी और जयंती बाई को

राशन कार्ड से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा सुकल राम, पार्वती, नरोत्तम, मोतिराम, तेजराम, रामचंद, तेजूराम एवं चैतूराम को मुख्यमंत्री पेंशन योजना से लाभान्वित किया गया। इसी तरह दानेश्वरी, शांति देवी, हेमलता, हमिता, अनिता का मनरेगा जॉब कार्ड एवं जयंत, यामिनी, नरेन्द्र, कुणाल, भूषण एवं रंजना का आय, जाति प्रमाण पत्र बनाया गया। उल्लेखनीय है कि गुरूर विकासखण्ड के ग्राम बगदई में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर में 02 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड, 10 हितग्राहियों का राशन कार्ड, 05 हितग्राहियों का मनरेगा जॉब गार्ड तथा 06 हितग्राहियों का आय एवं जाति निवासी प्रमाण पत्र बनाया गया।

इंद्रावती-गुडरा नदी के संगम में तेज बहाव से पलटी नाव

विजय मत, दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा। जिले के बारसूर थाना क्षेत्र में बहने वाली इंद्रावती और गुडरा नदी के संगम में बुधवार सुबह एक नाव पलट गई है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक व्यक्ति लापता है, वहीं दूसरा चट्टानों के बीच फंसा हुआ है। बाजार से लौटते वक्त हादसा हुआ है। पुलिस और प्रशासन की टीम को इस हादसे की सूचना दी गई है। सूचना पर रेस्क्यू टीम मौके पर पंहुचकर बचाव कार्य में लग गई है।मिली जानकारी के

अनुसार बारिश के दिनों के इंद्रावती नदी पूरी तरह से उफान पर है। ऐसे में नदी पार करने की मनाही रहती है। लेकिन रोज की जरूरतों को पूरा करने भी ग्रामीणों की मजबूरी होती है। इसी मजबूरी के चलते बारसूर के पास स्थित मंगनार के रहने वाले ग्रामीण नाव के सहारे बोधघाट बाजार गए हुए थे । लौटते वक्त इंद्रावती और गुडरा नदी के संगम में तेज बहाव के चलते इनकी नाव पलट गई। नाव में कितने लोग सवार थे ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बच्चों के वजन एवं ऊँचाई की जाँच कराकर कुपोषण से मुक्त कराएं

विजय मत, गरियाबंद

कलेक्टर बी.एस. उइके ने जिला मुख्यालय गरियाबंद के समीपस्थ ग्राम डोंगरीगांव एवं गरियाबंद के डाक बंगला के जीर्णोद्धार आंगनबाड़ी केन्द्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर, किशोर न्याय बोर्ड तथा बाल कल्याण समिति का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय ने बताया कि जिले के 12 आंगनबाड़ी केन्द्रों को एक्शन

अगेंस्ट हंगर द्वारा जीर्णोद्धार किया गया है। जो कि फ्रांस की एक वैश्विक मानवतावादी संगठन है। यह संगठन कुपोषित बच्चों की मदद करता है और समुदायों को सुरक्षित पानी और भूख के स्थायी समाधान तक पहुंच प्रदान करता है। कलेक्टर उइके ने आंगनबाड़ी केन्द्र डोंगरीगांव एवं डाकबंगला का निरीक्षण करते हुए सामग्रियों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये।

इस दौरान रसोई कक्ष, सामग्री कक्ष का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन, स्वच्छता और शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की साफ-सफाई का अवलोकन किया।

सरपंच व ग्रामीणों ने नए थाना प्रभारी का किया स्वागत, अपराध नियंत्रण की लगाई गुहार

विजय मत, तिल्दा

समीपस्थ ग्राम खपरीकला में आज ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीण जनों द्वारा नवपदस्थ थाना प्रभारी का थाना पहुँचकर आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सरपंच सहित ग्रामीण प्रतिनिधियों ने थाना प्रभारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ते अवैध गतिविधियों, चोरी, सट्टा, जुआ एवं अन्य अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली

प्राथमिकता है और वे क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल बनाए रखने हेतु सतत रूप से गश्त और निगरानी सुनिश्चित करेंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं पंचायत पदाधिकारी उपस्थित थे। ग्रामीणों ने थाना प्रशासन को हर संभव सहयोग देने की बात कही।

छुरा की गोल्डन गर्ल संध्या ने की आत्महत्या, खेल और पढ़ाई में अव्वल रही छात्रा का दर्दनाक अंत

विजय मत, गरियाबंद

छुरा नगर की 'गोल्डन गर्ल' कहे जाने वाली संध्या साहू ने मंगलवार को फांसी लगाकर जान दे दी। 21 वर्षीय संध्या राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी थी। उसकी मौत ने पूरे नगर, खेल जगत और शिक्षकों को हिलाकर रख दिया है। किसी को यकीन नहीं हो रहा कि जो लड़की हर टूर्नामेंट से मुस्कुराते हुए मेडल लेकर लौटती थी, उसने अचानक जिंदगी की जंग हारने का फैसला क्यों किया।

घटना मगंलवार दोपहर की बताई जा रही है। संध्या छुरा नगर के आवासपारा क्षेत्र में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। उसकी मां नहाने गई थीं। जब वापस लौटीं तो संध्या को कीचन में साड़ी के फंदे से लटका पाया। मां की चीख सुनकर आसपास के लोग घर में जमा हो गए। परिजनों ने तुरंत उसे फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही छुरा पुलिस मौके पर पहुंची। शव का

पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने कीचन व कमरे से कुछ साक्ष्य जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि संध्या के मोबाइल कॉल डिटेल, सोशल मीडिया और कॉलेज दोस्तों से पूछताछ की जा रही है, ताकि उसकी आत्महत्या के पीछे की वजह साफ हो सके। संध्या साहू ने कम उम्र में ही कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कर ली थीं। वह कचना धुरवा महाविद्यालय में ग्रेजुएशन कर रही थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, उसने अब तक चार गोल्ड मेडल सहित कुल छह मेडल जीते थे। वह भुवनेश्वर, रायपुर, बालोद, गरियाबंद, कोलकाता और बीकानेर जैसे आयोजनों में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुकी थी। उसकी इस उपलब्धि के कारण लोग उसे 'छुरा की गोल्डन गर्ल' के नाम से पुकारते थे। संध्या सिर्फ खेलों में ही नहीं, पढ़ाई में भी अव्वल रही।

तरेगांव जंगल में गूंजा शिक्षा का संदेश, बेटियों के हाथों में किताबें, आंखों में भविष्य के सपने को मिली पंख

बेटियों के हाथों में किताबें और आंखों में उजाला, वनांचल में शिक्षा को मिली नई उड़ान

विजय मत, कवर्धा

कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के ग्राम तरेगांव जंगल की हरियाली शिक्षा के उजाले से और भी हरी-भरी हो गई, जब कलेक्टर गोपाल वर्मा ने इस सुदूरवर्ती अंचल में संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को राज्य शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया। शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और कहा कि बच्चों के हाथों में किताबें होना केवल ज्ञान का

प्रतीक नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की ठोस बुनियाद है। और जब बेटियां शिक्षित होती हैं, तो वे दो कुलों को शिक्षित करती हैं। यह केवल एक लड़की का सशक्तिकरण नहीं, बल्कि एक पूरे समाज का जागरण है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होंगी, जब हम इनका लाभ अंतिम छोर तक बैठे बच्चे तक पहुँचाएं। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे एक सामान्य बच्चा भी असाधारण लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर कलेक्टर वर्मा ने राज्य शासन की ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्ण योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की धारा है। उन्होंने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के जागरूक नागरिकों से आह्वान किया कि बेटी पढ़ेगी तभी समाज बढ़ेगा। यह अभियान केवल पोस्टर या नारा नहीं, बल्कि जनचेतना का हिस्सा बनना चाहिए। हमें गांव-गांव, घर-घर जाकर यह विश्वास जगाना है कि हर बेटी को शिक्षा का अधिकार और अवसर दोनों मिले। कलेक्टर ने विशेष रूप से वनांचल की बेटियों से बात करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखने की प्रेरणा दी। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू ने बताया कि जिले में 150 शासकीय हाई स्कूल संचालित हो रहे हैं। इनमें कक्षा 9वीं में 13,585 विद्यार्थी तथा कक्षा 10वीं में 10,215 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य शासन से इन सभी विद्यार्थियों के लिए समस्त पाठ्यक्रम की पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हैं।

लालबागेश्वर धाम का सावन महोत्सव 11 से शुरू

विजय मत, राजनांदगांव

राजनंदगांव शिव सेवा मंडल हेमू कलानी नगर, गली नंबर 5 स्थित लालबागेश्वर धाम में सावन महोत्सव का आज 11 जुलाई को आगाज होगा।

लालबागेश्वर धाम के सेवक आवतराम तेजवानी ने बताया कि 11 जुलाई से प्रतिदिन सुबह 8:00 से 9:00 तक रुद्राभिषेक एवं महाकाल भगवान की मां आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा तथा रात्रि 8 से 9 बजे तक प्रतिदिन महाआरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। संस्था के सदस्य संजय तेजवानी ने बताया कि सोमवार 14 जुलाई को प्रातः 5 बजे कावड़ यात्रा, स्वामी जी द्वारा

सुबह 11 बजे से 1 बजे तक संगीतमय रुद्राभिषेक एवं महारती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, शाम 7:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक भजन एवं महाआरती, केदारनाथ महादेव की पूजा एवं विशेष महाआरती का प्रसाद वितरण किया जाएगा, इसी तरह से सोमवार 21 जुलाई को प्रातः 5 बजे कावड़ यात्रा, दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक आचार्य द्वारा विशेष रुद्राभिषेक, शाम को सिंघोला से महाकाल की पालकी 6:00 बजे हेमू कालाणी नगर में आगमन एवं लालबागेश्वर महादेव मंदिर में जोरदार महाकाल की आरती एवं विशेष रूप से बफार्नी बाबा अमरनाथ की पूजा एवं प्रसादी वितरण सिंधु भवन में किया जाएगा।

28 जुलाई को प्रातः 5:00 बजे कावड़ यात्रा दोपहर 11 बजे से 1 तक आचार्य द्वारा संगीतमय रुद्राभिषेक शाम 7 बजे से 9 बजे तक भगवान सोमनाथ महादेव का विशेष पूजन एवं महाआरती का प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सार समाचार

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निमार्णाधीन कार्यों का करेंगे परीक्षण

रायपुर/विजय मत। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निमार्णाधीन कार्यों के गुणवत्ता परीक्षण के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे नारायणपुर और कोंडागांव जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन सड़कों का परीक्षण करेंगे। राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्रगतिरत सड़कों की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत साझा की जा सकती है। राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक श्री कुलभूषण गोयल (मोबाइल नम्बर - +91-7030655222) 16 जुलाई से 21 जुलाई तक नारायणपुर जिले में सड़कों की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे। वे 22 जुलाई से 26 जुलाई तक कोंडागांव जिले में सड़कों की गुणवत्ता जांचेंगे।

रायपुर जिले में रासायनिक खाद का भरपूर भंडारण

रायपुर/विजय मत। रायपुर जिले में खरीफ 2025 फसल सीजन के लिए रासायनिक खाद का भंडारण तेजी से किया जा रहा है। जिले की सहकारी समितियों को कुल 50,603 मीट्रिक टन खाद का लक्ष्य मिला है, जिसमें से अब तक 31,474 मीट्रिक टन खाद जमा किया जा चुका है। यह कुल लक्ष्य का 62.20% है। इस भंडारण में 7,062 मीट्रिक टन डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) शामिल है। किसान अपनी जरूरत के अनुसार समितियों से नियमित रूप से खाद ले रहे हैं। अब तक 25,935 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित की जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 51.25 प्रतिशत है। जिले में खादों का भंडारण और वितरण किया जा रहा है सुपर फॉस्फेट का भंडारण 2,768 मीट्रिक टन, वितरण 1,921 मीट्रिक टन, पोटाश का भंडारण झ 2,175 मीट्रिक टन एवं वितरण झ 1,528 मीट्रिक टन किया गया है, एनपीके का भंडारण- 3,858 मीट्रिक टन, वितरण झ 3,384 मीट्रिक टन किया जा चुका है। जिला प्रशासन समय-समय पर खाद के भंडारण और वितरण की समीक्षा किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो सके। सहकारिता विभाग के अनुसार, जिले में खाद की स्थिति फिलहाल संतोषजनक है और किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

छात्रवृत्ति के लिए आधार सीडिंग और बैंक खाता सुधार अनिवार्य : 13 जुलाई तक करें त्रुटियों का सुधार

रायपुर/विजय मत। आदिवासी विकास विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कॉलेज स्तर) का भुगतान आधार-सीडेड बैंक खातों में किया जा रहा है। ऐसे विद्यार्थी जिनका आधार सीडिंग अक्रियाशील (क्ल्लूं३५ी) है अथवा जिनका बैंक खाता गलत, बंद या अमान्य है, उनके छात्रवृत्ति भुगतान में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे सभी विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी स्टूडेंट आईडी के माध्यम से त्रुटियों को सुधारते हुए, सही और आधार-सीडेड बैंक खाता विवरण की प्रविष्टि 13 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से करें। विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समयावधि के भीतर त्रुटियों का सुधार न किए जाने की स्थिति में छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं होगी, और इसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यार्थी की होगी। छात्रवृत्ति संबंधी किसी भी समस्या की स्थिति में विद्यार्थी अपनी अध्ययनरत संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी अथवा कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, रायपुर (कलेक्टोरेट परिसर, कमरा क्रमांक 40, द्वितीय तल) की छात्रवृत्ति शाखा में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

डॉक्टर दंपति हत्याकांड में कहानी दोहराई गई

कवर्धा /विजय मत। के बहुचर्चित डॉक्टर दंपत्ति मर्डर केस में आज एक और बड़ा मोड़ आया, जब पुलिस आरोपी को लेकर रामनगर स्थित घटनास्थल पहुंची और उसी जगह पर हत्या की पूरी पटकथा दोबारा जिंदा करवाई गई। दोपहर करीब 2 बजे पुलिस की गाड़ी घटनास्थल पर रुकी और आरोपी को उतारा गया। पुलिस ने पूरे घटना स्थल को सिक्योर करते हुए सीन रीक्रिएशन की प्रक्रिया शुरू की। आरोपी को उसी रास्ते से अंदर ले जाया गया, जहां से उसने आठ साल पहले कदम रखा था। एक-एक पल, एक-एक हरकत, सबकुछ उसी क्रम में दोहराया गया – कैसे वह घर में दाखिल हुआ।

राजधानी समेत कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी...

विजय मत, रायपुर

रायपुर समेत प्रदेश के अन्य इलाकों में बीते चार दिनों से लगातार बारिश हो रही है। पिछले 36 घंटो में प्रदेश के अधिकांश जिलों में भारी जमकर बारिश हुई है। लगातार हो रही बारिश से गर्मी से तो राहत मिल गई है, लेकिन जगह-जगह जलभराव की स्थिति भी निर्मित हो रही है। लगातार हो रही बारिश ने मौसम में ठंडक पैदा कर दी है और नदी-नाले अब उफान पर आ गए हैं। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश भर में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

रायपुर में भी होगी भारी बारिश

राजधानी में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव हो गया है। इतना ही नहीं खारून नदी का भी जलस्तर बढ़ गया है। वहीं रायपुर में सुबह से बादल छाए हुए हैं और बारिश भी हो रही है। मौसम विभाग ने रायपुर में भी जोरदार बारिश होने का अलर्ट जारी किया है और लोगों को घर से निकलने से पहले मौसम की जानकारी लेने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में भारी बारिश होने के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट और बाकी क्षेत्रों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा रायगढ़ समेत कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश हो सकती हैं।

बारिश की वजह से स्कूलों में दो दिन की छुट्टी का ऐलान

छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य के कई जिलों में नदी-नाले उफान पर हैं और निचले इलाकों में पानी भर गया है। भारी बारिश के चलते कुछ रिहायशी इलाकों में भी पानी घुस गया है, जिससे आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस आपात स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन कई जिलों में स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित कर दी है। धमतरी जिले में सभी शासकीय आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही जिले के सभी शासकीय स्कूलों में भी एक दिवसीय अवकाश की घोषणा की गई है। यह आदेश कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने जारी किया। वहीं दूसरी ओर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में बारिश की स्थिति और गंभीर बताई जा रही है। यहां कलेक्टर ने दो दिवसीय अवकाश घोषित किया है। 9 और 10 जुलाई को जिले के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

विशेष प्लेसमेंट कैंप में दिव्यांगजनों को रोजगार का मिला अवसर

43 दिव्यांग अभ्यर्थियों का चयन, 6 को आयोजन स्थल में मिला नियुक्ति पत्र

विजय मत, रायपुर

विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर द्वारा 07 जुलाई 2025 को शासकीय आई.टी.आई., विधानसभा रोड, सड्डू रायपुर में मेगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 43 अभ्यर्थियों का चयन किया गया एवं 6 अभ्यर्थियों को आयोजन स्थल पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया गया।

इस प्लेसमेंट कैंप में रोटोकास्ट इंडस्ट्रीज, रियल इस्पात पॉवर लिमिटेड, रामा उद्योग प्रा. लि., टचस्टोन सर्विसेज प्रा. लि., सौरभ रोलिंग मिल प्रा. लि., अग्रवाल चैनल प्रा. लि., भवानी प्रा. लि., रायपुर, तिख्थाला केमिकल प्रा. लि., शांता टेक्नो प्रा. लि., जीम इंको प्रा. लि., रिबाउंस एलएलपी, और वीस्नेपवू रायपुर जैसी कई कंपनियाँ शामिल हुईं। इन कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए 43 दिव्यांग अभ्यर्थियों का प्रारंभिक रूप से चयन किया। वहीं, प्लेसमेंट स्थल पर ही 6 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर भी सौंपे गए, जिसमें कमलेश्वरी साहू, त्र्यंबक सोनी,पुर्णांक चंद्राकार, और राजेन्द्र कुमार शामिल है।

इसके अतिरिक्त, अलर्ट ए.एस.जी. लिमिटेड द्वारा 8 दिव्यांगजनों को कमीशन पर एजेंट के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा युवाओं एवं दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर इस प्रकार के प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की दी शुभकामनाएं

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है।

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन भारत में गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है। यह दिन गुरु के अमूल्य ज्ञान, मार्गदर्शन और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का विशेष अवसर होता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरु जीवन में अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का आलोक प्रदान करते हैं। उनके द्वारा दी गई शिक्षा और मूल्य हमारे जीवन के पथ

को आलोकित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अभी को गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर होते हुए जीवन को सार्थक करना चाहिए।

महिलाओं को 1000 हर महीना दे नहीं पा रहे लखपति बनाने का झूठा सपना दिखा रहे

विजय मत, रायपुर

भाजपा सरकार के लखपति दीदी योजना पर कटाक्ष करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महतारी वंदन योजना की 1000 रु. की मासिक किस्त सभी महिलाओं को तो दे नहीं पा रहे हैं और अब महिलाओं को लखपति बनाने का सपना दिखा रहे हैं। महतारी वंदन योजना का लाभ आज भी 40 प्रतिशत महिलाओं को नहीं मिल रहा है और हर माह इस योजना से जुड़ी महिलाओं के नाम को काटा जा रहा है। वृद्धा पेंशन और परित्यक्ता पेंशन के तहत 500 रु. महीना पेंशन मिलता था उन्हें महतारी वंदन योजना से मात्र 500 रु. ही दिया जा रहा है। 17 महीने में एक लाख से अधिक महिलाओं को इस योजना से बाहर कर दिया गया है और जब चुनाव आते हैं तब महिलाओं को इस योजना से जोड़ने के लिए आवेदन शुरू करने की बात कही जाती है, चुनाव खत्म हो जाने के बाद उस दिशा में सरकार बात भी नहीं करती है, भाजपा का काम ही ठगी करना है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के सभी महिलाओं को 1000 रु. महीना देने का वादा किया था, भाजपा नेता और वर्तमान में डिप्टी सीएम का वीडियो आज भी युट्यूब पर मौजूद है जिसमें उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह वादा किया था कि प्रदेश के सभी विवाहित महिलाओं को मिलेगा, मुख्यमंत्री की पत्नी को भी मिलेगा, कलेक्टर की पत्नी को भी मिलेगा और मेरी पत्नी को भी मिलेगा, चुनाव जीतने के बाद शर्तें लगाकर बहुसंख्यक आबादी को योजना के लाभ से वंचित करती है। 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान ही प्रदेश की लगभग सवा करोड़ महिलाओं से महतारी वंदन योजना का फर्जी फार्म भाजपा नेता ने भरवाये थे, उनमें से आधे से अधिक अब तक योजना के लाभ से वंचित है। 500 रु. में रसोई गैस के सिलेंडर, सरकारी नौकरी के अवसर और अनेक वादा किया गया था और उसे मोदी की गारंटी का नाम दिया गया था, सरकार बनने के बाद मोदी की गारंटी पर चर्चा करने से भाजपा के लोग बच रहे हैं। उज्ज्वला योजना की सिलेंडर महिलाएं भरवा नहीं पा रही है, केंद्र सरकार महिलाओं को रोजगार नहीं दे पा रही है, राज्य की भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में शुरू की गई महिलाओं के आर्थिक विकास की सारी योजनाओं को बंद कर दिया है, रीपा योजना, गोठान योजना, पौनी पसारी योजना, महिला स्व सहायता समूह को अनेक सरकारी काम दिया गया था।

गुरुपूर्णिमा पर जैन दादाबाड़ी में दादागुरुदेव की बड़ी पूजा और गुरुभक्ति

रायपुर/विजय मत। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर रायपुर की भैरव सोसायटी स्थित जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में सोमवार को भव्य महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि प्रातः 6 बजे स्नात्र महोत्सव के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके पश्चात अष्टप्रकारी पूजा, गुरुवंदना, और दादागुरुदेव की बड़ी पूजा का आयोजन होगा, जिसमें गुरुदेव के गुणों का गुणानुवाद किया जाएगा। पूजा में सैकड़ों श्रद्धालु, बच्चे और महिला मंडल सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इक्तिसा जाप और रात्रि में भक्ति संध्या का आयोजन भी किया जाएगा।

काम की धीमी गति से रेलयात्रियों को रोजाना समस्याओं का सामना करना पड़ रहा

भींगते हुए काउंटर से टिकिट लेने मजबूर है यात्री

विजय मत, बालोद

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बालोद में चल रहे काम की धीमी गति से रेल यात्री रोज समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एक साल बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया है। रेलवे विभाग व ठेकेदार की सुस्त कार्य प्रणाली की वजह से पहले से तय समय सीमा के अनुरूप कार्य नहीं हुआ है। मानसून सीजन की शुरूआत हो गई है। बारिश में एक तिरपाल के नीचे बारिश से बचते हुए यात्रियों को टिकट लेना पड़ रहा है, जिससे अव्यवस्था भी होने लगी है।

मिली जानकारी के मुताबिक काम शुरू होने के बाद से लगभग 6 माह में काम को पूरा करना था लेकिन अब इसे 16 माह बीतने जा रहे हैं लेकिन अभी भी रेलवे स्टेशन में काम बहुत बचा हुआ है। यात्रियों का कहना है टिकट काउंटर को अस्थाई तौर पर ही सही लेकिन ठीक तरीके से बनवा दें। तेज बारिश में काफी परेशानी हो रही है। यहां रेलवे स्टेशन का काम कब तक पूरा होगा। यह स्थानीय रेलवे विभाग नहीं बता पा रहा है और इसकी जानकारी रेल मंडल मुख्य कार्यालय से मिलने की बात कही जा रही है।

बालोद व दल्लीराजहरा रेल्वे स्टेशन में अव्यवस्था: मृत भारत योजना के तहत बालोद व दल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन को ही डेवलप किया जा रहा है। हालांकि दोनों जगहों पर काम अधूरा है और अधूरे काम से रेलवे स्टेशन में अभी अव्यवस्था का आलम है। जिस गति से रेलवे स्टेशन में काम चल रहा है। उससे अभी रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से काम पूरा होने में अभी और समय लगेगा। यात्रियों ने भी जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की भी मांग की है ताकि एक बेहतर व सर्व सुविधा युक्त रेलवे स्टेशन मिल सके।

सर्वसुविधायुक्त बनेगा स्टेशन

अमृत भारत योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा रेलवे स्टेशन को डेवलप करने के लिए लगभग 15 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। बीते साल 2024 में काम शुरू हुआ था। जानकारी यह भी मिल रही है कि इस काम को 6 माह के भीतर ही पूरा करना था लेकिन अब काम को शुरू हुए लगभग 16 माह बीतने को है। अव्यवस्था के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का समान जरूर करना पड़ रहा है लेकिन पूरी तरह से काम पूरा होने के बाद राहत मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ राज्य को डीएमएफ संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया गया सम्मानित

रायपुर। भारत सरकार के खान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को जिला खनिज संस्थान न्यास (उट्रफ्र) के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। आज नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक दिवसीय ह्लनेशनल डीएमएफ वर्कशॉपह्व के दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज सचिव श्री पी. दयानंद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। खान मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना द्वारा नेशनल डीएमएफ पोर्टल में समस्त राज्यों के डीएमएफ से संबंधित डेटाबेस का संधारण किया जा रहा है।

घर-घर जाकर 46 हजार 350 लोगों का किया जायेगा मलेरिया जांच

विजय मत, गरियाबंद

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मलेरिया मुक्त छ.ग. अभियान के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर बी.एस. उइके की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यू.एस. नवरत्न ने बताया कि इस अभियान के तहत गरियाबंद जिले के गरियाबंद एवं मैनपुर विकासखण्ड के मलेरिया प्रभावित क्षेत्र एवं पहुंचविहिन ग्रामों में घर-घर जाकर लगभग 46 हजार 350 लोगों का मलेरिया जांच किया जायेगा। इस पर कलेक्टर ने सर्वे करने के उपरांत पाये गये धनात्मक मरीजों को पूर्ण उपचार एवं गंभीर मलेरिया

प्रकरणों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में रिफर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया मुक्त छ.ग. अभियान के तहत पाये गए धनात्मक मरीज के घर के आस-पास स्त्रोंत नियंत्रण गतिविधि भी किया जाए। जैसे मच्छर के लार्वा को नष्ट करने के लिए जली हुई तेल या केरोसीन तेल का छिड़काव करने के निर्देश दिये। डॉ नवरत्न ने बताया कि मलेरिया मुक्त छ.ग. अभियान के 12वां चरण के क्रियान्वयन हेतु सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है एवं रैपिड रिस्पोंस टीम का गठन भी किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा मलेरिया के रोकथाम एवं बचाव हेतु आवश्यक जानकारी दी गई है। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.आर. मरकाम सहित अंतर्विभागीय समन्वय समिति के सदस्यगण, अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्वास्थ्य विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला-गरियाबंद, व्ही.बी.डी.टेक्निकल सुपरवाईजर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पहली तिमाही में शराब की बिक्री से रिकॉर्ड 2300 करोड़ रुपये का राजस्व

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में शराब की बिक्री से रिकॉर्ड 2300 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। हालांकि दूसरी ओर राज्यभर में 67 नई शराब दुकानों को खोलने का व्यापक विरोध शुरू हो गया है, जिससे सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा है।

तेजी से बढ़ी बिक्री, उतारे गए नए ब्रांड

आबकारी विभाग के मुताबिक, शराब की

बढ़ती मांग को देखते हुए सस्ती और महंगी दोनों श्रेणियों में नए ब्रांड उतारे गए हैं। देशी शराब की खपत अधिक होने के कारण 'सवा शेरा' नाम का नया ब्रांड भी बाजार में लाया गया है। बेहतर आपूर्ति व्यवस्था और ब्रांड वैरायटी के कारण अप्रैल से जून के बीच बिक्री में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया।

कई जिलों में विरोध

नई शराब दुकानों को लेकर रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार समेत कई जिलों में विरोध तेज हो गया है। महिलाओं, सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल दिया है। कई जगहों पर धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। वहीं विभागीय सूत्रों के अनुसार, अब नई दुकानें केवल उन्हीं स्थानों पर खोली जाएंगी जहां विरोध नहीं है। फिलहाल थमी है नई दुकानों की प्रक्रिया सरकार की योजना 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ राज्य में शराब दुकानों की संख्या 674 से बढ़ाकर 741 करने की थी, जिसके लिए कैबिनेट से मंजूरी भी मिल चुकी है। लेकिन विरोध के चलते फिलहाल नई दुकानें खोलने की प्रक्रिया ठंडी पड़ गई है। प्रशासन ने भी विरोध झेल रहे क्षेत्रों में दुकान खोलने को लेकर कोई दबाव नहीं बनाया है। एक तरफ सरकार बढ़ते राजस्व को लेकर उत्साहित है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक विरोध एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब देखना यह होगा कि सरकार राजस्व और जनविरोध के बीच कैसे संतुलन कायम करती है।

पूरी सरकार तीन दिन मैनपाट में पिकनिक मना कर आई

विजय मत, रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के तीन दिन के प्रशिक्षण सत्र में डेढ साल के भ्रष्टाचार पर मंथन हुआ। खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और अन्य नेताओं ने राज्य सरकार के भ्रष्टाचार पर नसीहत देनी पड़ी। यह प्रशिक्षण शिविर मस्ती की पाठशाला थी, जहां पर सरकारी धन पर पूरी सरकार ने मौज मस्ती और पिकनिक मना कर आई। जिस सरगुजा संभाग में भाजपा ने यह तीन दिन का प्रशिक्षण किया। उसी सरगुजा संभाग के हसदेव और तमनार में सरकार अडानी की खदान के लिये जंगल कटवा रही। चिंतन शिविर में इस पर मंथन करने का साहस किसी नेता ने नहीं दिखाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूरी सरकार तीन दिन से मैनपाट में पिकनिक मना रही।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरू

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्राय- सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

गुरु है संकल्प, गुरु है साधना, गुरु है मोक्ष का माध्यम

योगेश कुमार गोयल

गुरु पूर्णिमा के दिन प्राचीन काल से ही गुरु की पूजा करने का चलन है , जो इस वर्ष 10 जुलाई को मनाई जा रही है। दरअसल प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा का संबंध महाभारत के रचयिता महर्षि श्रीकृष्ण द्वैपायन से जुड़ा है, जिनका जन्म इसी दिन हुआ माना जाता है। संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान महर्षि द्वैपायन ने ही सनातन धर्म के चारों वेदों की रचना की थी, इसीलिए उन्हें महर्षि वेद व्यास के नाम से जाना गया। वैसे तो गुरु पूर्णिमा का पर्व शास्त्रों में गुरुओं को समर्पित है लेकिन सही मायनों में यह आदिगुरु वेद व्यास के सम्मान में ही मनाया जाता है और इसीलिए इसे 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। महर्षि वेद व्यास ने एक लाख श्लोक वाला महाभारत, 18 पुराण और ब्रह्मा-सूत्र की रचना के साथ एक वेद को चार वेदों में विस्तारित कर समस्त संसार को ज्ञान से प्रकाशित किया था, इसीलिए उन्हें आदि-गुरु का दर्जा प्राप्त है। हिन्दू धर्म में तो गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है और गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा भी गया है कि गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही शंकर है, गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है, ऐसे सद्गुरु को प्रणाम।

> गुरु को 'गुरु' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित करता है। ज्ञान की रोशनी सभी प्रकार के अंधकार को मिटा देती है, इसीलिए जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। 'गुरु' में 'गु' शब्द का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है उसे मिटाने वाला और इस प्रकार गुरु का अर्थ हुआ अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाने वाला। गुरु ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश के उजाले से हमारी अंतरात्मा और मन को प्रकाशित कर सकता है। एक अच्छा गुरु जीवन में रोशनी लाने का कार्य करता है, जिससे जीवन प्रकाशमान हो जाता है।

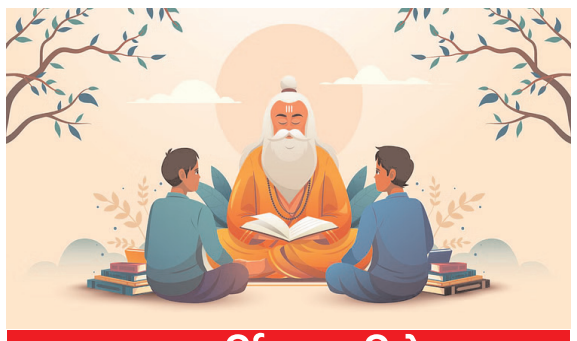

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

गुरु को 'गुरु' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित करता है। ज्ञान की रोशनी सभी प्रकार के अंधकार को मिटा देती है, इसीलिए जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। 'गुरु' में 'गु' शब्द का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है उसे मिटाने वाला और इस प्रकार गुरु का अर्थ हुआ अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाने वाला। गुरु ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश के उजाले से हमारी अंतरात्मा और मन को प्रकाशित कर सकता है। एक अच्छा गुरु जीवन में रोशनी लाने का कार्य करता है, जिससे जीवन प्रकाशमान हो जाता है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है, ताकि वह अपने भीतर सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। शास्त्रों में अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश है, वही गुरु है अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को ही 'गुरु' कहा जाता है। गुरु की महिमा का बखान करते हुए संत कबीरदास कहते हैं–

भली भई जो गुरु मिल्या, नहीं तर होती हाणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जाणि।

कबीरदास के इस दोहे का अर्थ है कि अच्छा हुआ जो गुरु मिल गए, अन्यथा तो मेरी हानि ही होती। जैसे दीपक की अग्नि की ओर पतंगे आकृष्ट हो जाते हैं, वैसे ही मैं भी विषय वासनाओं और माया की और आकृष्ट हो जाता और परिणामस्वरूप अमूल्य जीवन को नष्ट कर देता। मनुस्मृति के अनुसार ऐसे व्यक्ति को ही गुरु बनाना चाहिए, जो क्षमा, दया, तपस्या, पवित्रता, यम, नियम, दान, सत्य, विद्या, संतोष इत्यादि दस गुणों से सम्पन्न हो। गुरु की कृपा से ही विद्यार्थियों को विद्या की प्राप्ति होती है और उनके अंदर का अज्ञान तथा अंधकार दूर होता है। गुरु कृपा से ही विश्व के समस्त सुखों, ऐश्वर्य और स्वर्ग की सम्पदा प्राप्त हो सकती है, जो बड़े-बड़े योगियों को भी नसीब नहीं होती। गुरु तथा देवता में समानता के बारे में कहा गया है कि देवताओं के लिए जैसी भक्ति की आवश्यकता है, वैसी ही गुरु के लिए भी है। अच्छे गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है लेकिन गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं। वैसे तो गुरु को सभी धर्मों में विशेष महत्व दिया जाता रहा है लेकिन एक अच्छे गुरु का स्थान हिन्दू धर्म में भगवान से भी बढ़कर है।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागु पांव,
बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए।

शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करना कठिन है और अगर शिष्य को अपने गुरु पर पूर्ण विश्वास हो तो उसका बुरा स्वयं गुरु भी नहीं कर सकते। गुरु पूर्णिमा को बौद्ध धर्म के अनुयायी गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश के सम्मान में मनाते हैं। सिख धर्म में केवल एक ईश्वर और अपने सभी दसों गुरुओं की वाणी को ही जीवन के वास्तविक सत्य के रूप में मानते है। जैन धर्म के अनुसार इस दिन को चौमासा अर्थात चार महीने के बारिश के मौसम की शुरुआत के रूप में तथा त्रीनोक गुहा पूर्णिमा के रूप में माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व वास्तव में मानव जीवन में गुरु के विशिष्ट स्थान को दर्शाता है। एक दोहे में गुरु की महिमा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा गया है-

गुरु को पारस जानिए, करे लौह को स्वर्ण।
शिष्य और गुरु जगत में, केवल दो ही वर्ण।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

गुरु पूर्णिमा : श्रद्धा और संस्कारों का उत्सव

डॉ. दीपक वर्मा

भारतवर्ष में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः जैसी पंक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि हमारे जीवन के हर पहलू को दिशा देने वाले गुरु केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनदर्शन के निर्माता होते हैं। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व केवल गुरु के प्रति कृतज्ञता का नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कार की परंपरा के सम्मान का भी प्रतीक है। कला के क्षेत्र में, विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक में, गुरु-शिष्य परंपरा एक मजबूत नींव है। कथक केवल ताल, लय और भावों का नृत्य नहीं, अपितु यह एक जीवन-दर्शन है जो गुरु के आशीर्वाद से ही संपूर्ण होता है। भारत में लखनऊ, जयपुर और बनारस घराना कथक के तीन प्रमुख घराने हैं, जो अपने-अपने विशिष्ट रंग, शैली और परंपरा के लिए प्रसिद्ध हैं। इन घरानों को विश्व पटल पर स्थापित करने में अनेक गुरुओं का योगदान रहा है। लखनऊ घराने के पुरोधा पंडित लच्छू महाराज जी ने कथक को फिल्मों और मंचों पर एक नई पहचान दी। वहीं उनके भतीजे पंडित बिरजू महाराज जी, कथक के पर्याय बन चुके हैं। उन्होंने कथक को अभिव्यक्ति का ऐसा माध्यम बनाया जो न केवल शास्त्रीय मंचों पर बल्कि जनमानस के हृदय में भी स्थान बना सका। जयपुर घराने की तेज और जटिल पखावज आधारित बोलों की परंपरा को पंडित दुर्गालाल जी ने एक ऊंचाई प्रदान की। उनकी नृत्य शैली में शक्ति, ऊर्जा और गंभीरता का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। बनारस घराने की भावप्रधान और सौम्य शैली को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने में इन गुरुओं का विशेष योगदान रहा है। सुनयना हज़ारीलाल जी ने कथक को स्त्री-अभिव्यक्ति और नारीत्व के संदर्भ में सशक्त बनाया। मैं स्वयं मेरे गुरूजनों श्री विश्वजीत चक्रवर्ती, प्रो. डॉ. मांडवी सिंह एवं प्रो. डॉ ज्योति बक्शी के सान्निध्य में कथक की बारीकियों को आत्मसात कर सका। उन्होंने केवल तकनीक नहीं, बल्कि नृत्य के भीतर छिपे अध्यात्म, दर्शन और संवेदना को समझाया। कथक, गुरु के बिना अधूरा है, उसमें आत्मा तब ही आती है जब शिष्य समर्पण और अनुशासन के साथ गुरु की शरण में रहकर साधना करता है। आज भी, जब हम गुरुपूर्णिमा पर अपने गुरुओं का स्मरण करते हैं, यह केवल एक अनुष्ठान नहीं बल्कि ज्ञान की लौ को और आगे जलाने का, कला को भावी पीढ़ी तक ले जाने का एक संकल्प है। आज के आधुनिक युग में जहां डिजिटल माध्यम ने नृत्य सीखने के नए रास्ते खोल दिए हैं, वहीं यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम पारंपरिक गुरु-शिष्य परंपरा को बनाए रखें। क्योंकि कथक केवल वीडियो देखकर नहीं सीखा जा सकता, वह गुरु की आंखों के इशारे से, उनके स्पर्श से एवं उनकी मौन दृष्टि से सीखा जाता है। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर हम सभी कलाकारों को यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने गुरुओं की शिक्षाओं को आत्मसात करें, उनका यश आगे बढ़ाएं, और इस महान कला परंपरा को समर्पण, अनुशासन और प्रेम के साथ जीवित रखें।

गुरु को कोटिशः नमन।

- लेखक कथक के सहायक प्राध्यापक हैं

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

राम भक्ति से राष्ट्र दीक्षा

डॉ नूपुर निखिल देशकर

भारत की सनातन परंपरा में गुरु-शिष्य परंपरा व्यक्तिगत ,आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ राष्ट्रनिर्माण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का माध्यम भी है। ऐसे ही एक ऐतिहासिक प्रसंग की स्मृति हमें वाराणसी के अस्सीघाट पर ले जाती है।अस्सीघाट की पुण्य भूमि, काशी की वह वंद्य धरा, जहाँ श्रीगोस्वामी तुलसीदास जी ने मानस की रचना की और रामकथा का अमृतरस बरसाया, वह अपने अंतिम समय में एक अद्भुत राष्ट्रचेतना का दीप प्रज्वलित कर गए। यह वह क्षण था जब राम भक्ति ने राष्ट्र जागरण का बीज बोया।

कहा जाता है कि 30 जुलाई,1623 को 111 वर्ष की आयु के तुलसी बाबा अस्सी घाट की 80 सीढ़ियाँ उतरकर, गंगा जी में स्नान करके गंगाजल कलश में भरकर अपनी कुटिया तक लेकर आए और उन्होंने अपने शिष्यों से कहा –

कोउ बालक आए मोरे द्वार,
आवत ही भीतर करिहौं संभार।

एक बालक आएगा उसे कुटिया के अंदर भेज दीजिएगा।

कुटिया में जाकर गाय के गोबर से भूमि लीप कर वह बालक की प्रतीक्षा करते हुए राम नाम के जाप में तन्मय हो गये।

यह बालक कोई साधारण बालक न था, इसका नाम था नारायण सूर्याजीपंत कुलकर्णी । कहते हैं, नारायण अपने विवाह के समय सुलग्न लगाते समय लगने वाले सावधान के उद्घोष को सुनकर सावधान हो गये।विवाह की वेदी को त्यागकर वह सुदूर महाराष्ट्र से काशी तुलसी बाबा की कुटिया के द्वार पर पहुँचे। सेवकों ने उन्हें अन्दर प्रवेश करने का संकेत दिया । तुलसी बाबा ने जैसे ही उन्हें देखा, उनकी थकी हुई दृष्टि में अपार संतोष छलक उठा। नारायण ने तुलसी बाबा के चरणों में प्रणाम किया । बालक को देखकर बाबा बोल उठे

राम बिनु हित नाहीं जग माहीं।
सोइ जपहु जासु जगत प्रभुताहीं॥

गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने अंतिम समय उस तपस्वी, तेजस्वी साधक को रामनाम की दीक्षा दी । यह दीक्षा रामकार्य के लिए राष्ट्रशक्ति बनने हेतु प्रदान की गई थी , जिसका उद्देश्य था- भक्ति में शक्ति का सिंचन और शक्ति में भक्ति का अनुरंजन। तुलसीदास जी, जो रामभक्ति को केवल भाव नहीं, अपितु धर्म, न्याय और लोकमंगल की जीवनपद्धति मानते थे, उन्होंने इस तेजस्वी बालक को राम साधना के साथ राष्ट्र कर्तव्य का संकल्प भी सौंपा। यह दीक्षा एक युग परिवर्तन का संकेत बनी , जब भक्ति, शक्ति में रूपांतरित होती है और एक साधक, राष्ट्रचेतना का वाहक बनता है। बालक ने गुरु के वचनों को हृदय में आत्मसात कर लिया। तुलसी बाबा ने बालक की गोद में सिर रखकर, राम नाम स्मरण करते हुए अपनी देहलीला समाप्त की।

> यह बालक कोई साधारण बालक न था, इसका नाम था नारायण सूर्याजीपंत कुलकर्णी । कहते हैं, नारायण अपने विवाह के समय सुलग्न लगाते समय लगने वाले सावधान के उद्घोष को सुनकर सावधान हो गये।विवाह की वेदी को त्यागकर वह सुदूर महाराष्ट्र से काशी तुलसी बाबा की कुटिया के द्वार पर पहुँचे। सेवकों ने उन्हें अन्दर प्रवेश करने का संकेत दिया । तुलसी बाबा ने जैसे ही उन्हें देखा, उनकी थकी हुई दृष्टि में अपार संतोष छलक उठा। नारायण ने तुलसी बाबा के चरणों में प्रणाम किया ।

यह बालक रुपी साधक कोई और नहीं, मराठा स्वाभिमान के प्रणेता छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु – स्वामी समर्थ रामदास जी थे । जो आगे चलकर छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराजा छत्रसाल जैसे राष्ट्रपुरुषों के प्रेरणास्रोत बने। स्वामी समर्थ रामदास जी ने इस गुरुकृपा को राष्ट्र जागरण का आधार बनाया। समर्थ रामदास जी के ओजस्वी वचनों में यह स्वर गुंजरित होता रहा –

जय जय रघुवीर समर्था।
जय जय स्वराज्य अभिमत्था॥

स्वामी समर्थ रामदास जी ने शिवाजी महाराज को अखंड हिंदवी साम्राज्य की स्थापना हेतु प्रेरित किया और पन्ना नरेश महाराजा छत्रसाल को भी राष्ट्र कार्य के लिए मार्गदर्शन दिया । महाराजा छत्रसाल (छत्ता) ने बुंदेलखंड में स्वतंत्र राज की नींव रखी। यह एक अनोखा प्रसंग है जहाँ एक ही गुरु-दीक्षा दो महान राष्ट्रनायकों के माध्यम से भारत भूमि में धर्माधारित शासन व्यवस्था का बीज बोती है। इस पावन परंपरा को महाराष्ट्र के शिवाजी महाराज और बुंदेलखंड के वीर महाराज छत्रसाल ने आत्मसात किया।

तुलसीदास जी की वाणी में रामभक्ति केवल आत्मकल्याण नहीं थी - वह परहित और राजधर्म का पर्याय थी। यही भावना समर्थ रामदास जी की लेखनी में भी गूंजती है -

राम भक्तिं द्यावी मनासी 7 रामकार्य करावे हाती 77
(अर्थात - मन में रामभक्ति हो और हाथों में रामकार्य।)

इस प्रकार अस्सीघाट पर हुआ यह अलौकिक दीक्षा प्रसंग संत परंपरा का क्रम नहीं था, यह राम भक्ति से राष्ट्र भक्ति तक की अमर श्रृंखला थी। तुलसी बाबा ने जैसे राम नाम का बीज समर्थ रामदास जी में रोपा, उन्होंने उसी बीज को मराठा स्वराज्य की फुलवारी में पल्लवित किया। छत्रसाल ने बुंदेलखंड में उसे समर्थ रामदास जी से मार्गदर्शन लेने के पश्चात् अपने कवित्तों के माध्यम से बुंदेलखंड में राष्ट्र और जन जागरण के मंत्र के रुप में फूंका –

छत्रसाल कहि ज्यों बजि उठी धरती धीर वीर जू।
जिन थिर धरम, करम अरु धरम, सदा गढ़त रणधीर जू॥

गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर यह प्रसंग हमें स्मरण कराता है, कि भारत की संत परंपरा ने दीक्षा के माध्यम से आत्मा का मार्ग दिखाया और राष्ट्र की चेतना को भी दिशा दी। अस्सीघाट पर हुई यह दीक्षा, वास्तव में भारतवर्ष के हिंदवी स्वराज्य की सांस्कृतिक जन्मभूमि बन गई ,जहाँ रामभक्ति से राष्ट्रदीक्षा की यात्रा प्रारंभ हुई। यह प्रसंग आज भी गूंजता है –

राम भक्ति से राष्ट्र दीक्षा

जहाँ ,तुलसी के शब्द, समर्थ के संकल्प और छत्रसाल के शौर्य की त्रिवेणी ने भारत भूमि को नव जीवन दिया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8423

■	1		2	■	3			4
5		■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	24	
25				■	26			■

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8422 का हल

झ	न्डा	■	ते	■	प	■	श	क
र	■	दा	ल	■	री	ता	■	ल
ना	खु	दा	■	पा	■	रा	इ	मा
■	श	■	अ	ला	वा	■	न्द्र	■
ब	ग	दा	द	■	स	म	ध	न
■	वा	■	द	ल	ना	■	नु	■
ग	र	म	■	क्ष	■	ऋ	ष	भ
र	■	स्त	र	■	कृ	षि	■	ला
ल	ब	■	क्षा	■	मि	■	ता	ई

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.53 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.09 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.21 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.47 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.03 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.27 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	23.58 बजे से
		वृष	01.38 बजे से
		मिथुन	03.36 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 191 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा अहोरात्र। **योग** इन्द्र 21.38 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 13.56 बजे तदनन्तर बव 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872401 **जूलियन दिन** 2460866.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 14 **विशेष** कोकिला व्रत, व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "द ग्रांड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस" मिलने पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देकर उनका अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान से सभी भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विश्व कल्याण, शांति एवं सद्भाव के प्रति अप्रतिम योगदान से दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालने पर दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल वृत्त के अंतर्गत ग्राम अमरावत कलां में शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं धमकी देने वाले गजराज के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। ग्राम अमरावत कलां में विजिलेंस चेकिंग के दौरान आरोपी गजराज आर?मज लक्ष्मण सिंह लोधी के द्वारा एलटी पोल से सीधे अतिरिक्त केबल डालकर अपने घरेलू परिसर में बिजली चोरी करते पाए जाने पर कंपनी द्वारा भारतीय न?याय संहिता 2023 की धारा 135 के तहत प्रकरण बनाया गया था। तदुपरांत आरोपी एवं उनके पुत्रों द्वारा सहायक प्रबंधक रूपेश सिंह एवं सहयोगी लाइन स्टाफ पर लाठी से हमला करते हुए जब?त की गई केबल बलपूर्वक ली गई एवं अभद्रतापूर्ण व?यवहार करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली गई। कंपनी द्वारा आरोपी के विरुद्ध थाना कोलार में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। कोलार थाना पुलिस ने भारतीय न?याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 352 के अंतर्गत कंपनी द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्राय: देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को 2-2 दिन का प्रशिक्षण सितंबर माह तक विभिन्न चरणों में दिया जायेगा। प्रथम चरण के बाद दूसरे चरण का प्रशिक्षण 7 और 8 जुलाई को आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में संपन्न हुआ। खाद्य विभाग, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन एवं मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन के जिले एवं मुख्यालय के अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में प्रारंभिक मिलिंग, भंडारण, उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, ई-ऑफिस, ई-सीआर, आईगोट, स्पर्श पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन, स्टोर क्रय एवं सेवा नियम, विभागीय जांच, सूचना का अधिकार जैसे विषय शामिल थे। साथ ही अधिकारियों की समस्या और सुझावों को भी शामिल किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों की कार्यकुशलता में वृद्धि, नवाचार और विभागों के मध्य आपसी सहयोग के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाना है। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा द्वारा भी मार्गदर्शन दिया गया। सुनिधि साकल्ले प्रबंध संचालक आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

सड़क दुर्घटना रोकने जिलों में चलेगा "जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम"

भोपाल। केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश के 100 ऐसे जिले जहां अधिक संख्या में घातक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन्हें "सेफ लाईफ फाउण्डेशन" के सर्वे के माध्यम से चिन्हित किया है। देश के चिन्हित इन 100 जिलों में मध्यप्रदेश के 6 जिले चिन्हित किये गये हैं। ये जिले धार, सागर, सतना, रीवा, जबलपुर एवं खरगोन हैं। धार जिले में वर्ष 2023 के आकलन अनुसार सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई है। इन सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा "जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम" के तहत सभी जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि इन सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को चिन्हित करते हुए योजना तैयार की जाये। इसके बाद आवश्यक कार्य किए जाएं जिससे इन सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

इंदौर में शहरी विकास के ब्लू प्रिंट पर होगा मंथन

सीएम यादव करेंगे रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री एवं टूरिज्म सेक्टर के निवेशकों से संवाद

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के निवेशकों से संवाद करेंगे। इस उच्चस्तरीय आयोजन में देशभर के संबंधित सेक्टर्स के निवेशकों, उ?द्योगपतियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। कॉन्क्लेव में देशभर से 1500 से अधिक उद्?योगपति, रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि, निवेशक आदि शामिल होंगे।

इंदौर में आयोजित हो रहे इस आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन में क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, नगर निगम, आईडीए, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि की व्यापक भागीदारी रहेगी। प्रदर्शनी में इनसे संबंधित योजनाएं व प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह कॉन्क्लेव प्रदेश में शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आयोजन से इंदौर और मध्यप्रदेश को निवेश का नया आयाम मिलेगा। प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्युएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

हाउसिंग सेक्टर में बेहतर निवेश की संभावना

प्रदेश में हाउसिंग सेक्टर में निवेश की अच्छी संभावना है। अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किए जा चुके है। प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जा रहे है। इनमें 50 हजार करोड़ रूपए का निवेश होगा। रियल एस्टेट की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में मानव संसाधन की गुणवत्तापूर्ण वर्क फोर्स उपलब्ध है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 6 हजार किलोमीटर सड़क, 80 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन वाटर सप्लाई कवरेज की सुविधा और शत प्रतिशत शहरी क्षेत्र सीवरेज सिस्टम उपलब्ध है। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों में 23 सेवाएं ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई है। नगरीय निकायों में सेंट्रलाइज पोर्टल के माध्यम से मंजूरी दी जा रही है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2025 लागू... *प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी 17 हजार 230 योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण के लिये 2 हजार 800 करोड़ और वाटर फ्रंट से संबंधित डेव्हलपमेंट में 2 हजार करोड़ रूपए की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में सुगम परिवहन व्यवस्था के विस्तार के लिये 21 हजार करोड़ रूपए की परियोजनाएं संचालित हैं। वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पेट्रोलियम ईंधन के कार्बन फुट-फ्रंट रोकने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के बड़े शहरों में 552 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जा रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2025 लागू की गई है।*

सहकारिता मंत्री की विभागीय समीक्षा

हर जिले की चयनित सोसाइटियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम होगा : सारंग

विजय मत, भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने हर जिले से पांच चयनित सोसाइटियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस प्रोग्राम के माध्यम से सोसाइटियों द्वारा किए गए नवाचार और उनकी विभाग से अपेक्षाओं को जानने को भी कहा है। मंत्री सारंग बुधवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा कर रहे थे।

मंत्री सारंग ने कहा है कि लगभग ढाई सौ सोसाइटियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम 50-50 के ग्रुप में करें। उन्होंने कहा कि यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम दो दिवसीय हो ताकि उनकी हर एक समस्याओं का समाधान भी हो

माइक्रो एटीएम कार्ड का 100% वितरण हो

मंत्री सारंग ने माइक्रो एटीएम कार्ड रूपे कार्ड को एक माह के अंदर 100त वितरित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की इस पहल को निचले स्तर तक पहुंचाने का भी कम करें। साथ ही नवाचार विंग को पुनर्गठित करें।

चीता ब्रांड का 'लोगो' जल्द होगा लोकार्पित

मंत्री सारंग ने चीता ब्रांड का %लोगो% जल्द फाइनल कर लोकार्पित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने चीता ब्रांड के उत्पाद हितग्राही तक पहुंचाने के लिए एक चेन डेवलप करने को भी कहा। इसके लिए उन्होंने बिजनेस प्लान बनाकर प्रेजेंटेशन देने को भी कहा है और संभागवार समीक्षा बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर प्रमुख सचिव डीपी आहूजा, विपणन संघ प्रबंध संचालक आलोक कुमार सिंह, आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता, उप सचिव सुशीला दाहिमा और मनोज सिन्हा उपस्थित थे।

किरायदारों, पेइंगगेस्ट, होटलों में रूकने वालों आदि की जानकारी पुलिस को देना आवश्यक

भोपाल। पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगरीय क्षेत्र भोपाल शहर में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार भोपाल शहर स्थित आवासों में किराये से एवं पेइंगगेस्ट के रूप में रहने वाले व्यक्तियों तथा यहां पर आवासरत लोगों के घरों में काम करने वाले नौकर - चाकर छात्रावास में रह रहे छात्र - छात्राओं एवं अन्य निवास की जगहों पर रहने वाले व्यक्तियों की जानकारी पुलिस प्रशासन को देना आवश्यक होगा। साथ ही भोपाल शहर में आने- जाने वाले मुसाफिरों, जो कि शहर के विभिन्न होटल, लॉज, धर्मशाला, रिजोर्ट, रेस्टहाउस जैसे प्रतिष्ठानों में ठहरते हैं, उनकी जानकारी निर्धारित प्रोफार्मा अनुसार संधारित किया जाना आवश्यक होगा। यह आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश अनुसार कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई भाग किराये पर देते है, तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे।

सड़कों के गड्ढों पर बोले पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह

जब तक सड़कें रहेंगी तब तक गड्ढे होते रहेंगे, गड्ढे न हों ऐसी तकनीक नहीं

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में खराब सड़कों के निर्माण और सड़कों के गड्ढ़ों को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि अभी ऐसी कोई तकनीक नहीं आई है, जिसके आधार पर कह सकें कि ऐसी सड़क बनाएंगे जिस पर कभी गड्ढा होगा ही नहीं। जब तक सड़कें रहेंगी तब तक गड्ढे होते रहेंगे। गलत तब है जब चार साल तक खराब न होने वाली सड़क में छह माह में ही गड्ढे हो जाएं।

राकेश सिंह ने कहा कि जो कुछ हम कर रहे हैं, प्रयास वही हो सकते हैं। मुझे ध्यान में नहीं आता कि दुनिया में कोई ऐसी सड़क भी है, जिसमें गड्ढा होता ही नहीं। ऐसी कोई तकनीक अभी पीडब्ल्यूडी के ध्यान में नहीं आई है।

उन्होंने सड़कों की खराब हालत और गड्ढों के कारण होने वाली दिक्कतों के सवाल पर कहा कि सवाल ऐसा हो जिसका हम उत्तर दे सकें। जब तक सड़कें रहेंगी तब तक गड्ढे होते रहेंगे।

छह माह में गड्ढे हो जाएं तो गलत है: राकेश सिंह

मंत्री राकेश सिंह ने यह भी कहा कि अगर कोई सड़क ऐसी है जिसको चार साल तक खराब नहीं होना चाहिए और छह महीने में गड्ढे हो गए तो यह गलत है। ऐसे मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान उस जमीन को लेकर भी सवाल हुए जिस पर सड़क बनाई जा रही है।

ग्वालियर की महल रोड 12 दिन में 11 बार धंसी

हाल ही में ग्वालियर नगर निगम और स्मार्ट सिटी की बनाई सड़क महीने भर में धंसने से चर्चा में आई थी। सड़क में सुरंग नजर आने लगी थी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के महल तक जाने वाली यह वीआईपी और महंगी 'महल रोड' 12 बार दिन में 11 बार धंस चुकी थी।

पानी भरने से धंसी, ठेकेदार जिम्मेदारी से नहीं बच सकता

नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल से जांच दल ग्वालियर पहुंचा। जांच दल ने सबसे पहले पाया है कि यहां सड़क तो बना दी गई, लेकिन सड़क पर बरसाती पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क किनारे जो नाली हैं। उसकी तरफ सड़क की ढलान नहीं है। यही कारण रहा कि रात भर पानी गिरा और सड़क में बैठता चला गया, जिस कारण वह धंसक गई।

पेसा एक्ट जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का कानून: पटेल

विजय मत, भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं विकासखंड अधिकारियों की पहली पोस्टिंग प्रदेश के जनजातीय विकासखंड में की जा रही है। इन विकासखंडों में पेसा मोबलाइजर्स के साथ कार्य कर नवनियुक्त अधिकारियों को जमीनी स्तर पर पेसा कानून के क्रियान्वयन की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के क्रियान्वयन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही जनजाति कार्य विभाग की बड़ी भूमिका है। उन्होंने पेसा कानून को जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का माध्यम बताया। मंत्री पटेल मंगलवार को मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) भोपाल में नवनियुक्त जनपद सीईओ एवं बीडीओ के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पेसा कानून पर कार्यशाला के समापन सत्र को

संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये और स्मृति दर्पण पुस्तिका का भी विमोचन भी किया।

मंत्री पटेल ने कहा कि शासकीय सेवा को व्यक्तिगत लाभ न मानते हुए समाज और संस्था की प्रतिष्ठा का माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी सेवा जनजातीय क्षेत्र में होने पर स्वस्थ मन से, निष्काम भाव से जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के लिए, उनके जीवन दर्शन के लिए, उनको दबावों से मुक्त कराने के लिए कार्य करें।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने लागू की सेल्फ लर्निंग एन्ड एडवांसमेंट पॉलिसी

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने अपने कार्मिकों के सतत् कौशल विकास, ज्ञान संवर्धन एवं शैक्षणिक उन्नयन को बढ़ावा देने के लिये स्व-अध्ययन तथा उन्नति नीति (सेल्फ लर्निंग एन्ड एडवांसमेंट पॉलिसी) लागू की है। इस नीति के अंतर्गत अब सभी अभियंता व कार्मिक अपने नियमित कार्यालयीन कर्तव्यों के साथ-साथ कम्पनी के कार्यक्षेत्र से संबंधित विषयों में पार्ट-टाइम, ऑनलाइन अथवा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (Certificate Courses), डिप्लोमा, डिग्री, एमटेक, एमबीए, बीटेक, एलएलबी, एलएलएम,एमसीए व पीएचडी जैसे अनेक शैक्षणिक कार्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे।

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण को समर्पित प्रदेश सरकार

बिजली कंपनियों में 49 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को मिलेगा रोजगार: डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए निर्णयों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिन चार जातियों के कल्याण और सशक्तीकरण की बात करते हैं, डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उनकी भलाई के लिए समर्पित है। डॉ. सोलंकी ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये निर्णय गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास और सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि राज्य सरकार ने सिंचाई शुल्क चुकाने में असमर्थ रहे किसानों के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया है कि ऐसे किसानों से सिंचाई शुल्क न चुकाने पर लिया जाने वाली दंड राशि और ब्याज नहीं लिया जाएगा। सिर्फ सिंचाई शुल्क की राशि ही ली जाएगी। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के लाखों किसानों को लाभ होगा और वे सिंचाई शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। सरकार ने यह योजना मार्च, 2026 तक के लिए लागू की है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि राज्य सरकार ने धरती आबा योजना के अंतर्गत प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में 66 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने का प्रावधान किया है। इससे जहां एक ओर इन क्षेत्रों में कुपोषण कम करने में मदद मिलेगी, वहीं बहनों को रोजगार भी मिलेगा। सरकार ने इन आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए कार्यकर्ता, सहायिका और सुपरवाइजर के पदों को भी मंजूरी दी है।

विजय मत एंकर | सर्वाधिक दुर्घटना वाले 100 जिलों में एमपी के छह जिले

धार, सागर, सतना, रीवा, जबलपुर खरगोन में चलेगा जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम

विजय मत, भोपाल

देशभर के सबसे अधिक सड़क दुर्घटना वाले 100 जिलों में एमपी के भी छह जिले शामिल हैं। ये जिले धार, सागर, सतना, रीवा, जबलपुर एवं खरगोन हैं। सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार ने जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के अंतर्गत इन जिलों के जिला प्रशासन से कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को चिह्नित कर योजना तैयार करें। इसके बाद आवश्यक कार्य किए जाएं ताकि इन सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ऐसे जिलों को सेफ लाईफ फाउण्डेशन के सर्वे के माध्यम से चिह्नित किया है। वर्ष 2023 के आकलन अनुसार धार जिले में सबसे अधिक गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। आईआईटी मद्रास के Center of E&ellence for Road Safety द्वारा ऐसी रणनीति पर

कार्य किया गया है जिसके अंतर्गत हर स्थान एवं सड़क कॉरिडोर जहां दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, वहां कम लागत वाले अति स्थानीय कार्यों को चिह्नित जाए। उन कार्यों के लिये जिला प्रशासन को सहयोग दिया जाएगा।

परिवहन विभाग की ओर से सभी कमिश्नर एवं जिला कलेक्टर्स को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव द्वारा भी इस कार्य की लगातार समीक्षा की जा रही है। सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि वे जिले में एडीएम या एसडीएम स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें तथा यह नोडल अधिकारी जिले की सड़क एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक करके संभावित दुर्घटना स्थलों और सड़क कॉरिडोर की जानकारी जुटाएं। ऐसे स्थल या सड़क कॉरिडोर जहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं उन्हें एनआईसी e-DAR पोर्टल से चिह्नित किया जा सकेगा। कुछ ऐसे स्थल जहां संभावित घातक दुर्घटना हो सकती हैं तथा वर्तमान में छिटपुट दुर्घटनाएं हो रही हैं, ऐसे स्थलों की जानकारी स्थानीय पुलिस, स्थानीय निकायों, आमजन आदि से एकत्रित करने के निर्देश कलेक्टर्स को दिए गये हैं। जिले के ऐसे चिह्नित सड़क दुर्घटनाओं के स्थल एवं सड़क कॉरिडोर का निरीक्षण सभी संबंधित सड़क एजेंसी के जिला अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से किया जायेगा। दुर्घटना के तकनीकी और इंजीनियरिंग कारणों को आंकलित कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। मौका निरीक्षण के बाद तकनीकी कारण जिनकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं उनकी जानकारी लेने के बाद निराकरण के लिये अति स्थानीय एवं कम लागत के उपाय भी संबंधित सड़क एजेन्सी के इंजीनियर करेंगे।

कलेक्टर, नोडल अधिकारी एवं सड़क एजेन्सी के इंजीनियर के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इसका प्रजेंटेशन होगा।

एसओएस बालग्राम में डेंगू से बचाव हेतु कार्यशाला आयोजित

भोपाल। डेंगू रोग की रोकथाम एवं जागरूकता के उद्देश्य से जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा एसओएस बालग्राम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव द्वारा बालग्राम के समस्त स्टाफ को डेंगू के लक्षणों, बचाव एवं नियंत्रण के उपायों से अवगत कराया गया। श्रीमती नामदेव ने कार्यशाला में ऐडीस मच्छर के लार्वा की पहचान एवं विनष्टीकरण के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू से बचाव के लिए परिसर को स्वच्छ बनाए रखना, खुले पानी के बर्तनों को ढंक कर रखना, बच्चों को पूरी बांह के कपड़े पहनाना और मच्छरदानी में सुलाना आवश्यक है। इस दौरान मलेरिया विभाग की टीम द्वारा बालग्राम परिसर में लार्वा सर्वे एवं रक्त पट्टी संग्रहण का कार्य भी किया गया।

मुख्यमंत्री के युवाओं को रोजगार संपन्न बनाने की घोषणा पर अमल

एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहित कर उपलब्ध कराई जा रही है सहायता: मंत्री काश्यप

विजय मत, भोपाल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने बताया कि प्रदेश में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रभावी पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्योग और रोजगार वर्ष की घोषणा के अनुरूप विभाग लगातार एमएसएमई की स्थापना और रोजगार सृजन के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। केंद्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है।

मंत्री काश्यप ने बताया कि प्रदेश में 18 लाख पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों द्वारा 56 हजार करोड़ रूपये से अधिक निवेश कर 94 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया गया है। इसी तरह 5,342 स्टार्टअप, 72 इनक्यूबेटर और 2,542 महिला स्टार्टअप्स के माध्यम से 54 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 10,352 युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया।

मंत्री काश्यप ने बताया कि रोजगार सृजन के इस सबसे सशक्त माध्यम को और प्रभावी बनाया गया है। एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्टअप नीति 2025 और औद्योगिक भूमि आवंटन नियम 2025 के माध्यम से प्राथमिकता क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। स्टार्टअप नीति का लक्ष्य 10 हजार डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करना है। हाल ही में रतलाम में संपन्न हुई रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव इसका उदाहरण है, जहां वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में अभी तक लाभान्वित हुए 2.37 लाख से अधिक लोगों को जिन्हें लगभग 2400 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से मिला है।

फर्नीचर, टिंबर व्यवसाय और होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि हुए बैठक में शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजस्थान के उद्यमियों को किया निवेश के लिए मध्यप्रदेश आमंत्रित

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को राजस्थान के जोधपुर प्रवास के दौरान विभिन्न फर्नीचर, टिंबर व्यवसाइयों और होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सघन वन संपदा है। मध्यप्रदेश जैसे सागौन वन कहीं नहीं है। फर्नीचर व्यवसाय में इनको बढ़ावा देते हुए राजस्थान और मध्यप्रदेश संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। मध्यप्रदेश में उद्योगों और व्यवसायों के उन्नयन के साथ नवीन निवेश आ रहा है।

मध्यप्रदेश आएं, उद्योग लगाएं
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक क्षेत्र

के प्रतिनिधियों से कहा कि वे विभिन्न उद्योगों की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश आ सकते हैं। उन्हें नीतियों के अंतर्गत उद्योग स्थापना के लिए पूरा प्रोत्साहन और सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 में हुए विभिन्न कॉन्क्लेव, विभिन्न नगरों में रोड-शो आदि की जानकारी भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राजस्थान के उद्यमियों ने अनेक सुझाव भी दिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। प्रारंभ में राजस्थान के औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया।

प्रदेश में उद्योग और निवेश बढ़ाने के लिए नई नीतियां... *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों को बताया कि भोपाल में इस वर्ष फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी। इस अवसर पर 18 नई औद्योगिक नीतियों को लागू किया गया है। इनके लाभकारी प्रावधानों का लाभ देश भर के उद्यमियों द्वारा लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में उद्योग क्षेत्र में अनेक नवाचार भी किए गए हैं। नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निजी संस्थाओं को रियायती दर पर भूमि और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। जिस प्रदेश में सिर्फ पांच मेडिकल कॉलेज थे वहां आज 36 मेडिकल कॉलेज हैं। आने वाले 2 वर्ष में इनकी संख्या 50 हो जाएगी। चिकित्सा और उपचार क्षेत्र के साथ ही निवेश के अनेक क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। विभिन्न राज्यों के उद्यमी उत्साह पूर्वक मध्यप्रदेश आ रहे हैं।*

विधानसभावार बनवायें विज़न डाक्यूमेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के विजन 2023 के संदर्भ में अपने-अपने प्रभार के जिलों में भ्रमण करें और शेष रह गयीं विधानसभा से विज़न डाक्यूमेंट तैयार करने संबंधी कार्यों को अगले 10 दिन में पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि विधानसभा के विकास से संबंधित कार्यों को बजट में शामिल करायें और इनके क्रियान्वयन के लिए भी समुचित कार्रवाई करें।

लुधियाना के उद्योगपति भी जुड़ना चाहते हैं मध्यप्रदेश से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत 7 जुलाई को पंजाब के लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए संवाद के अनुभव साझा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर वहां बड़े उद्योगपतियों से चर्चा हुई। इन्टरैक्टिव सेशन में उद्योग जगत के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने बड़ी आत्मीयता और सक्रियता से भाग लिया।

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण को समर्पित प्रदेश सरकार

बिजली कंपनियों में 49 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को मिलेगा रोजगार: महेन्द्र सिंह सोलंकी

- सिंचाई शुल्क में दंड राशि की छूट से लाखों किसानों को मिलेगी सुविधा
- आदिवासी अंचलों में नए आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलेगा बहनों को रोजगार

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए निर्णयों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिन चार जातियों के कल्याण और सशक्तीकरण की बात करते हैं, डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उनकी भलाई के लिए समर्पित है। सोलंकी ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये निर्णय गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास और सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे।

किसानों के प्रति संवेदनशील है मध्यप्रदेश सरकार

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि राज्य सरकार ने सिंचाई शुल्क चुकाने में असमर्थ रहे किसानों के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया है कि ऐसे किसानों से सिंचाई शुल्क न चुकाने पर लिया जाने वाली दंड राशि और ब्याज नहीं लिया जाएगा। सिर्फ सिंचाई शुल्क की राशि ही ली जाएगी। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के लाखों किसानों को लाभ होगा और वे सिंचाई शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। सरकार ने यह योजना मार्च, 2026 तक के लिए लागू की है।

जनजातीय क्षेत्रों से मिटेगा कुपोषण, बहनों को मिलेगा रोजगार

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि राज्य सरकार ने धरती आबा योजना के अंतर्गत प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में 66 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने का प्रावधान किया है। इससे जहां एक ओर इन क्षेत्रों में कुपोषण कम करने में मदद मिलेगी, वहीं बहनों को रोजगार भी मिलेगा। सरकार ने इन आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए कार्यकर्ता, सहायिका और सुपरवाइजर के पदों को भी मंजूरी दी है।

युवाओं को मिलेगा रोजगार

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न बिजली कंपनियों में 49 हजार से अधिक नियमित पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा बिजली कंपनियों की कार्यक्षमता में भी सुधार होगा।

न्यूज़ इन शॉर्ट

घायलों का इलाज कराने वादा कर गायब हुआ बाइक चालक, मामला दर्ज

भोपाल। ईंटेखड़ी पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी वाहन चालक की टक्कर से महिला सहित उसके पति को गंभीर चोटं आई थी, आरोपी ने इलाज का वादा किया लेकिन बाद में वह गायब हो गया। पुलिस ने बताया कि रतुआ रतनपुर निवासी 28 वर्षीय आरती अहिरवार ने अपनी शिकायत में बताया की बीती 16 मई को वो अपने पति और एक साल के बच्चे के साथ बाइक से बैरागढ़ जा रही थी। अरवलिया जोड़ पर मुड़ते समय एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनके पति की बाइक को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में दंपत्ति चलती बाइक सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना में आरती मामूली घायल हुई थी, लेकिन उसके पति संतोष का पैर बुरी तहर से टूग गया था। टक्कर मारने वाले चालक संतोष को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज का खर्चा उठाने का वादा किया था। उसके साथी ने संपर्क करने के लिए एक मोबाइल नंबर भी दिया था। बाद में जब आरती ने उस मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया तो वह बंद आने लगा। काफी प्रयास के बाद भी जब टक्कर मारने वाले से संपर्क नहीं हुआ तब महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

ग्वालियर ग्रामीण से कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर के खिलाफ शिकायत

भोपाल। अशोकनगर में कांग्रेस द्वारा आयोजित न्याय सत्याग्रह कार्यक्र म में कांग्रेस के ग्वालियर ग्रामीण से विधायक साहब सिंह गुर्जर द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी और अनर्गल शब्दों का प्रयोग करने के खिलाफ भोपाल के टी टी नगर थाने में भाजयूमो के पूर्व महामंत्री नितिन परिहार ने शिकायत करते हुए कांग्रेस विधायक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। भाजयूमो के पूर्व जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन परिहार ने अपनी शिकायत में बताया की 8 जुलाई को पुरानी मंडी परिसर अशोकनगर में न्याय सत्याग्रह कार्यक्र म आयोजित किया गया था, इसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के सहित कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे। यहाँ बने मंच से कांग्रेस के ग्वालियर ग्रामीण के विधायक साहब सिंह गुर्जर के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में जाने वालों को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की गई। शिकायतकर्ता ने कहा की इस बयान के कारण उनकी व्यक्तिगत भावनाएं आहत हुई है, और समाज में उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है, क्योंकि वह स्वयं एक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक है। उन्होनें कांग्रेस की विधायक एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उचित कार्यवाही की मांग की है।

अज्ञात कार ने सड़क पार कर रहे सिक्युरिटी गार्ड को रौंदा, मौत

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में एयरपोर्ट रोड पर बीती देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने सड़क पार कर रहे सिक्युरिटी गार्ड को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जानलेवा चोटें आने से घायल गार्ड की कुछ घंटे चले इलाज के बाद मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांधीनगर में स्थित पतंजलि परिसर में रहने वाले दयालचंद गढ़वाल पुत्र नाथूराम गढ़वाल (54) लालघाटी के एक मैरिज गार्डन में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं। मंगलवार रात को वह ड्यूटी के बाद पैदल घर लौट रहे थे। मनुआभान टेकरी के पास निजी अस्पताल के सामने उन्हें पीछे से आई अज्ञात कार ने जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित फरार हो गया। घायल दयालचंद को आासपास के लोगो ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया था। वहॉ कुछ घंटे चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर को शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस फरार कार चालक की पहचान जुटाने के लिये घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्तियों के लिए विज्ञापन जारी, महाधिवक्ता कार्यालय ने पहली बार किया प्रयोग

विजय मत, ब्यूरो, जबलपुर

प्रदेश के महाधिवक्ता कार्यालय ने 1956 में स्थापना के बाद पहली बार सरकारी वकीलों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किए हैं। महाधिवक्ता कार्यालय की अधिकृत वेबसाइट पर उक्त विज्ञापन जारी किए गए हैं। नोटिस जारी कर एडिशनल एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल, गवर्नमेंट एडवोकेट तथा डिप्टी गवर्नमेंट एडवोकेट के पदों पर नियुक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विज्ञापन में निर्धारित फॉर्मेट में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 18 जुलाई नियत की गई है। विज्ञान में रिक्त पदों की संख्या नहीं दी गई है। इसे लेकर विरोध का सिलसिला शुरू हो गया है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रक्रिया पारदर्शी न होने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि विज्ञापन में ओबीसी, एससी, एसटी व

महिलाओं को आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिए जाने का प्रावधान नहीं किया गया है। प्राप्त आवेदनों में से किस प्रक्रिया के माध्यम से चयन किया जाएगा, इसका उल्लेख नियमों में नहीं है। मौजूदा नियम यह है कि महाधिवक्ता एक पद के विरुद्ध विधि विभाग को तीन नामों की पेनल प्रेषित करेंगे। विधि विभाग, किस प्रक्रिया को अपनाकर तीन नामों में से एक नाम का चयन करेगा, इसका उल्लेख कानून में नहीं है। प्रेषित तीन नामों की पेनल में जिस अधिवक्ता का चयन व नियुक्ति की जानी है, उस अधिवक्ता का नाम प्रथम कॉलम में उल्लिखित किए जाने की प्रथा है।

इंदौर में कोरोना से तीन दिन में तीन मौतें, गंभीर बीमारी से पीड़ित थे मरीज

इंदौर। इंदौर में कोरोना के लगातार मामले आ रहे है। तीन दिन में लगातार तीन मौतें हो गई है। तीनों ही महिलाएं है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार तीनों मरीज गंभीर बीमारी से पीड़ित थी।कोरोना के कारण अब तक चार जानें जा चुकी हैं। सोमवार को लसुड़िया क्षेत्र में कोरोना संक्रमित महिला की मौत हो गई थी। वह कैंसर की बीमारी से पीड़ित थी, जबकि मंगलवार को भी एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह भी पहले से अस्पताल में भर्ती थी। डाक्टरों ने कोरोना की जांच कराई तो पॉजिटिव आई। इससे पहले भी एक महिला की मौत हो चुकी है। अब तक इंदौर में कोरोना के 187 मरीज है।

रेलवे स्टेशन के वीआईपी साइडिंग पर वाहन खड़ा करना ट्रेन मैनेजर को पड़ा महंगा, न्यायालय ने लगाया आर्थिक दंड

विजय मत, भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्रतिबंधित क्षेत्र गाड़ी चलाने के मामले सामने आ रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर एक रेलकर्मी वीआईपी एरिया में कार लेकर घुस गया। उसने बीना एंड पर बने वीआईपी रास्ते का इस्तेमाल कर कार सीधे इंजीनियरिंग साइडिंग प्लेटफॉर्म पर पार्क कर दी। घटना रविवार रात की है। मंगलवार को इसका वीडियो सामने आया है। अब स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई कार्रवाई के तहत एक रेलकर्मी द्वारा रेलवे नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कदम उठाए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए रेल अधिनियम की धारा 159, 145 तथा 147

के अंतर्गत रेसुब पोस्ट भोपाल पर अपराध के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। उसी दिन आरोपी ट्रेन मैनेजर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने दोषी पाए जाने पर 2000 का आर्थिक दंड आरोपित किया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह वाहन जितेश कुमार यादव, ट्रेन मैनेजर मुख्यालय भोपाल द्वारा गार्ड लॉबी से वाहन मोड़ते समय वीआईपी रैंप की दिशा में लाकर वहां खड़ा किया गया था। यह कृत्य रेलवे परिसर में अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए उसी दिन आरोपी ट्रेन मैनेजर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने दोषी पाए जाने पर 2000 का आर्थिक दंड आरोपित किया।

सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल रेलवे परिसर की गरिमा एवं सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए इस प्रकार के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए हुए है।

एम्स भोपाल द्वारा बेजौर में समग्र स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल अपने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में संस्थान के आयुष, शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलॉजी) एवं सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा (सीएफएम) विभागों की टीमों द्वारा भोपाल के बेजौर स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में एक समग्र स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय विशेषकर बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निवारक और एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। शिविर का संचालन डॉ. वरुण मल्होत्रा (अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान), डॉ. ए. ऐश्वर्या (चिकित्सा अधिकारी-सिद्धा), एवं डॉ. मनविंदर (सीनियर रेज़िडेंट,

सामुदायिक चिकित्सा) ने अपनी-अपनी टीमों के साथ मिलकर किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य शिक्षा, व्यक्तिगत परामर्श एवं व्यवहार आधारित जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। आंगनवाड़ी के बच्चों और शिक्षिकाओं को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करते हुए आयुष आधारित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। बच्चों को जंक फूड से बचने और मूंगफली लड्डू, तिल लड्डू, हरी पत्तेदार सब्जियां तथा मौसमी फलों जैसे पोषक विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हाथ धोने की उचित विधि का प्रदर्शन किया गया और मानसून के दौरान जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी गई। मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा समूह ध्यान, प्राणायाम और गहरी साँस लेने के अभ्यास करवाए गए।

एमएसएमई मंत्री काश्यप द्वारा मंत्रालय के मृगनयनी इंपोरियम में चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन

भोपाल। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और भोपाल के प्रभारी मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बुधवार को मंत्रालय वल्लभ भवन स्थित मृगनयनी इंपोरियम में चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहना की। यह प्रदर्शनी पेंटिंग्स कला की अनूठी एवं सुंदर अभिव्यक्ति है। भोपाल की युवा टेक्सटाइल डिज़ायनर गौरांगी शर्मा द्वारा प्रदर्शनी में इंडोनेशिया बटीक और रामायण की थीम पर बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। गौरांगी ने कोलकाता के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में मृगनयनी के प्रायोजन के साथ प्रोजेक्ट बनाया है।

निर्माणाधीन आवासों के शेष सभी कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ तीव्र गति से पूर्ण करें

- निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने बाग मुगालिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बाग मुगालिया में निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और एम.आई.जी, एल.आई.जी एवं ई.डब्ल्यू.एस आवासों के शेष सभी कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ तीव्र गति व निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सभी आवासीय ब्लॉकों में विद्युत सप्लाई लाईन शीघ्रता से स्थापित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव के अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना से संलग्न निगम अधिकारी व कन्सल्टेंट मौजूद थे। निगम आयुक्त हरेन्द्र

नारायन ने बुधवार को बाग मुगालिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और आवासों एवं परिसर में सिविल व विद्युत संबंधी कार्यों सहित अन्य कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने एम.आई.जी, एल.आई.जी एवं ई.डब्ल्यू.एस आवासों सहित परिसर में सिविल संबंधी सभी कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ तीव्र गति व निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने आवासों के सभी ब्लॉकों में विद्युत प्रदाय हेतु लाईन शीघ्रता से स्थापित करने एवं विद्युत संबंधी अन्य कार्यों को भी तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विजय मत एंकर भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान के भाव को परिलक्षित करती है पौध-रोपण की संकल्पना

प्रकृति के लिए "कृतज्ञता" का भाव, भारतीय समाज में संस्कारों में है विद्यमान : परमार

विजय मत, भोपाल

प्रकृति के संरक्षण के लिए कृतज्ञता का भाव, भारतीय समाज में संस्कारों में विद्यमान है। हमारे पूर्वजों ने प्राणवायु, जल एवं ऊर्जा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए, समाज में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता रूपी श्रद्धा भाव से परंपराएं स्थापित की। हमारे पूर्वज वृक्षों, जल स्रोतों एवं ऊर्जा स्रोतों का महत्व जानते थे। वृक्षारोपण, भारत की महानतम परम्परा वसुधैव कुटुंबकम् को आगे बढ़ाने की पहल है। यह न केवल विश्व बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी को बचाने का प्रण है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में, एक पेड़ मां के नाम अभियान से अभिप्रेरित विश्वविद्यालय की संकल्पना 6 हजार पौधों के वृहद

वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ कर कही। परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश भर में चल रहा एक पेड़ मां के नाम अभियान, भारतीय दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम के प्रकटीकरण का महाअभियान है।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि कोविड के संकटकाल में, लोगों ने प्राणवायु (ऑक्सीजन) की महत्ता अनुभव की। हमारे पूर्वज प्राणवायु की महत्ता सदियों से जानते थे, उनके द्वारा स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा में विश्व की समस्त पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों का समाधान निहित है। परमार ने कहा कि पर्यावरण को लेकर वैश्विक चुनौती के निराकरण के लिए, भारतीय समाज अपने पारंपरिक ज्ञान के आधार पर विश्व भर के लोगों का मार्ग प्रशस्त करेगा और अपने दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम् को विश्वमंच पर परिलक्षित भी करेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित इस संकल्पना में सहभागिता करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। परमार ने कहा कि यह संकल्पना, प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हमारे पूर्वजों द्वारा सदियों से स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान कृतज्ञता के भाव को परिलक्षित करती है। परमार ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की यह संकल्पना, निश्चित ही अपने ध्येय की सिद्धि को प्राप्त करेगी और समाज के लिए भी अभिप्रेरक सिद्ध होगी! इस अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव अविनाश वाजपेयी सहित विश्वविद्यालय परिवार के प्राध्यापकगण, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

कांग्रेस का टैक्स बम पर वार, प्रदेश अध्यक्ष पटवारी बोले टैक्स बढ़ रहा, सुविधाएं कम हो रही

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

नगर निगम की टैक्स वृद्धि के विरोध ने कांग्रेस ने 22 झोन पर प्रदर्शन करके टैक्स वृद्धि का कड़ा विरोध किया। इसमें महिला कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। सुखलिया क्षेत्र में स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय पर हुए प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी पहुंचे। उन्होंने नगर निगम के टैक्स वृध्दि को जनता के खिलाफ बताया। कांग्रेसियों ने शहर की अन्य समस्याओं को भी बयां किया और कहा कि शहर में नगर निगम जनता को सुविधाएं नहीं दे पा रहीं है, जबकि इसके उलटे जनता पर टैक्स वृद्धि कर बोझ डाला जा रहा है।

कांग्रेसियों ने सवाल किया कि जब शहर में जनता को पीने का साफ पानी नहीं मिल पा रहा है, सड़कों पर जगह जगह गड्ढे हैं तो फिर नगर निगम द्वारा जनता पर टैक्स वृद्धि कर अर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जनता की पीड़ा को समझते हुए सभी 22 जोन पर कांग्रेसियों ने आंदोलन किया है। जीतू पटवारी ने कहा कि शहर की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया लेकिन बदले में जनता पर टैक्स की डबल मार पड़ी है।

विजय मत
राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com
रायपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते: गांगुली

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे। बुमराह हेंडिग्ले में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में शामिल थे। पहली पारी में उन्होंने 5 विकेट भी लिए थे पर दूसरे टेस्ट में उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत ही आराम दिया गया था।

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन, एजेंसी

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थैम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया। पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया।

देश से मिले प्यार और समर्थन को लौटाना चाहता था

एनसी क्लासिक जीतने के अधि महत्वपूर्व था इसका आयोजन: नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि एनसी क्लासिक स्पर्धा के जरिये देश को वह प्यार और समर्थन लौटाना चाहते थे जो उन्हें मिला है। नीरज की इस एनसी क्लासिक स्पर्धा के जरिये पहली बार भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाला फेंक स्पर्धा हुई है। नीरज चोपड़ा ने बेंगलुरु के कांतीरवा में आयोजित अपने ही नाम वाली ये स्पर्धा जीती थी। इसमें दुनिया भर के कई स्टार भाला फेंक खिलाड़ी शामिल हुए थे। नीरज ने इस प्रतियोगिता में 86.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका।

नीरज ने कहा, मुझे बहुतों का आभार जताना है। दोस्तों और परिवार से लेकर अधिकारियों और संगठनों तक हालांकि अभी के लिए, मैं इसे सरल रखूंगा। अपने देश को कुछ वापस देना मेरा एक छोटा सा सपना था, जो इस स्पर्धा से पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता को जीतने से अधिक महत्वपूर्ण इसके आयोजन की प्रक्रिया

थी। नीरज ने इस स्पर्धा का सह-आयोजन जेएस डब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ मिलकर किया था और इसे भारतीय एथलेटिक्स और विश्व एथलेटिक्स संघ से मान्यता मिली थी।

नीरज ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्होंने इसे संभव बनाने में अपनी भूमिका निभाई। एथलीटों से कहना चाहता हूं कि हम अगली बार और बेहतर करने के प्रयास करेंगे। कांतीरवा में आए सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि यह वास्तव में सबसे अच्छे माहौल में से एक था, जिसे मैंने अपने सबसे पसंदीदा खेल को खेलते हुए अनुभव किया। इस स्पर्धा में केन्या के जूलियस येगो 84.51 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे 84.34 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने अपने अभियान की शुरुआत फाउल के साथ की। वहीं दूसरे प्रयास में उनका थ्रो 82.99 मीटर लंबा रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो 86.16 मीटर लंबा फेंका जबकि चौथे प्रयास में फाउल और पांचवें में 84.07 मीटर और छठे प्रयास में उन्होंने 82.22 मीटर लंबा थ्रो किया।

तीसरे टेस्ट में जोफ्रा आर्चर को शामिल करे इंग्लैंड: एंडरसन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि इंग्लैंड को अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जरुर शामिल करना चाहिये।

पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। एंडरसन के अनुसार आर्चर ने फिटनेस कारणों से चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है पर उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है और वह मुकाबले में अंतर पैदा कर सके हैं। हाल में उन्होंने ससेक्स की ओर से प्रथम श्रेणी स्तर क्रिकेट में सभी को प्रभावित किया था। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम के गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये थे जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। एंडरसन ने कहा, आर्चर ने ससेक्स के लिए एक मैच खेला; वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और थोड़ी गेंदबाजी भी की। मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा क्योंकि तीसरा टेस्ट बेहद अहम है।

दूसरी ओर इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना है कि आर्चर फिट है और चयन के लिए उपलब्ध है पर उनका खेलना तय नहीं है। उन्होंने कहा, जोफ्रा फिट दिख रहे हैं, वे मजबूत दिख रहे हैं, वे खेलने के लिए तैयार दिख रहे हैं और वे सभी की नजर में आएंगे। यह बेहद रोमांचक है। वे भी खेलने को लेकर उत्साहित हैं। वे अपनी चोटों और टेस्ट क्रिकेट से बाहर रहने के दौर से गुजरे हैं। हम सभी जानते हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे अपनी पुरानी उपलब्धियों को फिर से दोहरा पाएंगे और खेल के उस रूप में जो उन्होंने पहले से किया है, उसमें सुधार भी कर पाएंगे।

आर्चर के रुप में एक बदलाव ही संभावित नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और बैक-अप बल्लेबाज जैकब बेथेल भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले की दौड़ में हैं पर उनकी दावेदारी कमजोर है। बेथेल ने केवल तीन टेस्ट मैच खेले हैं जबकि एटकिंसन मई में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से से ही बाहर हैं। बेथेल के शामिल होने से इंग्लैंड को एक और मौका मिलेगा। एक और स्पिन विकल्प के साथ मैकुलम ने कहा कि वह पहली पसंद के स्पिनर शोएब बशीर की जगह अंतिम ग्यारह में नहीं रहेंगे। मैकुलम ने बेथेल के बारे में कहा, वह एक बल्लेबाजी विकल्प है। अगर कुछ होता है तो वह अगला खिलाड़ी है।

फुटबॉल

लूसर्ने में स्वीडन की कोसोवारे एसलानी यूरो 2025 फुटबॉल मैच में पोलैंड के खिलाफ दूसरा गोल करने के बाद खुशी जताती हुई।

आईसीसी रैंकिंग में हैरी शीर्ष पर पहुंचे, शुभमन शीर्ष दस में शामिल, ऑलराउंडरों में नंबर एक पर बरकरार जडेजा

दुबई। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही देश के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को दूसरे स्थान पर धकेल कर नंबर एक स्थान पर कब्जा किया है। ब्रूक के अब 886 रेटिंग अंक हैं। उन्हें एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 158 रनों की पारी खेलने का लाभ मिला है। वहीं रूट दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। उनके 868 रेटिंग अंक हैं। पहले दोनो टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। शुभमन ने 15 स्थान की छलांग लगायी है। यह शुभमन के टेस्ट करियर की सबसे अच्छी रैंकिंग है। उनके 807 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने एजबेस्टन में भारतीय टीम को मिली 336 रनों से ऐतिहासिक जीत में अहम योगदान दिया था। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाकर दोहरा शतक ठोका जबकि दूसरी पारी में शतक लगाया था। वह नंबर-1 पर चल रहे ब्रूक से 79 रेटिंग अंक पीछे हैं। रैंकिंग में गिल से आगे रूट के अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं। उनके (867 रेटिंग अंक हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। । वहीं भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 858 अंक लेकर , चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 807 अंक लेकर पांचवें नंबर पर हैं। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में सिर्फ दो भारतीय हैं।

बिजनेस

भारत पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर कई कंपनियां अमेरिका पर निर्भर

अब ट्रंप ने दी फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर वैश्विक व्यापार पर आक्रामक नजर आ रहे हैं। पहले उन्होंने कई देशों को निशाना बनाया और अब वे उत्पाद-विशेष पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। इस बार वह कॉपर और फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की बता कह रहे हैं। ट्रंप ने इन पर क्रमशः 50 फीसदी और 200 फीसदी तक का टैरिफ लगाने की बात कही है, जिसका सीधा असर भारत जैसे देशों पड़ेगा। भारत के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि देश का फार्मा उद्योग अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है और कॉपर उत्पादों का भी एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को निर्यात किया जाता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 17 हजार करोड़ रुपए के कॉपर और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें से करीब 17 फीसदी यानी 36 करोड़ डॉलर का निर्यात केवल अमेरिका को किया गया। फार्मा सेक्टर की बात करें तो भारत ने अमेरिका को करीब 9.8

अरब डॉलर यानी करीब 86 हजार करोड़ रुपए की दवाओं की आपूर्ति की। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि अमेरिका में उपयोग की जाने वाली करीब 40 फीसदी जेनरिक दवाएं भारत से निर्यात की जाती हैं। ऐसे में अगर प्रस्तावित 200 फीसदी टैरिफ लागू होता है तो इसका असर भारत की दवा कंपनियों पर महसूस पड़ेगा।

भारत की अग्रणी दवा कंपनियों में से ज्यादातर की आय का बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार से आता है। जैसे सन फार्मा की कुल कमाई में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 35 फीसदी है। यह कंपनी जेनरिक, स्पेशल जेनरिक और न्यूरोलॉजिकल दवाओं का अमेरिका को बड़ा निर्यातक है। ऑरोबिंदो फार्मा की आधी आय अमेरिका से आती है और वह वहां एंटीबायोटिक्स, एंटीवायरल और कार्डियोवैस्कुलर दवाओं की आपूर्ति करती है। डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज की 38 से 45 फीसदी आय अमेरिका से होती है और वह जेनरिक के साथ-साथ बायोसिमिलर्स और ओवर-द-काउंटर दवाएं भी वहां भेजती है। ल्यूपिन लिमिटेड की 40 फीसदी कमाई अमेरिका से होती है और हाल ही में इसने वहां एक नई दवा लॉन्च की है।

सिप्ला लिमिटेड की करीब 30 फीसदी आय अमेरिकी बाजार से आती है, जहां वह सांस और एचआईवी जैसी बीमारियों की दवाएं भेजती है। जायडस लाइफसाइंसेज की 45 फीसदी, ग्लैंड फार्मा की 50 फीसदी और ग्लेनमार्क फार्मा की 35 फीसदी कमाई अमेरिका पर आधारित है। वहीं, नैटको फार्मा तो 70 फीसदी तक अमेरिका पर निर्भर है, जो कैंसर और हेपेटाइटिस-सी जैसी बीमारियों की दवाएं वहां भेजती है। टॉरेंट फार्मा की 25-30 फीसदी आय अमेरिका से आती है।

सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी घटकर इस साल 37 फीसदी पर पहुंची

- प्रवर्तकों ने ब्लॉक डील के जरिये शेयर बेचने की वजह से आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के शेयर बाजार में बदलाव आ रहा है और प्रवर्तक अप्रत्याशित तेजी से कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को कम कर रहे हैं। शीर्ष 200 निजी स्वामित्व वाली सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी करीब 600 अंक घटी है। इन कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2021 में 43 फीसदी थी जो 2025 में घटकर 37 फीसदी रह गई। प्रवर्तकों द्वारा ब्लॉक डील के जरिये शेयर बेचने की वजह से यह गिरावट आई है। इनमें से ज्यादातर शेयर घरेलू म्युचुअल फंडों ने खरीदे हैं।

वित्त वर्ष 2021 और वित्त वर्ष 2025 के बीच बीएसई 200 कंपनियों में म्युचुअल फंडों की शेयरधारिता 360 आधार अंक बढ़कर 10.9 फीसदी हो गई जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी 420 आधार अंक घटकर 24.4 फीसदी रह गई। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के मुताबिक शेयरधारिता में बदलाव प्रवर्तकों द्वारा उच्च मूल्यांकन का लाभ उठाने और म्युचुअल फंडों द्वारा उतार-चढ़ाव से खरीदार बनने को दर्शाता है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। घरेलू बाजार में आज सोना 96,200 रुपये जबकि चांदी 1,07,800 रुपये के करीब रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई हालांकि बाद में इसमें गिरावट आने लगी। इसके अलावा सोना भी गिरावट के साथ ही खुला।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 279 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,193 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,472 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 294 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,178 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 96,257 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 96 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,889 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,985 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 165 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 1,07,938 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,07,800 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। कॉमेक्स पर सोना 3,310.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,316.90 डॉलर प्रति औंस था। सुबह यह 16.80 डॉलर की गिरावट के साथ ही 3,300.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला। वहीं सोने के वायदा भाव इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.93 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.74 डॉलर था।

सेंसेक्स 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद, निफ्टी 46 अंक फिसला

मेटल, रियल्टी और आईटी शेयर्स सबसे ज्यादा गिरे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 176.43 अंक टूटकर 83,536.08 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 46.40 अंकों की गिरावट के साथ ही 25,476.10 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बह बयान है जिसमें उन्होंने कहा है कि एक अगस्त से टेरिफ लगाया जाएगा। इससे निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे घरेलू बाजार पर दबाव आया। आज सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और ये सिलसिला दिन भर जारी रहा। आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये जबकि शेष 17 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी प्रकार 50 शेयरो वाले एनएसई निफ्टी की 21 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए शेष 29 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.40 फीसदी उछले जबकि एचसीएल टेक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.03 फीसदी गिरे।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.26 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.90 फीसदी, पावरग्रिड 0.62 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.57 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.49 फीसदी, आईटीसी 0.48 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.36 फीसदीकी तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.76 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.39 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.28 फीसदी, बीईएल 1.01फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, एलएंडटी 0.66फीसदी, टीसीएस 0.65 फीसदी, ट्रेंट 0.61 फीसदी, भारती एयरटेल 0.51 फीसदी, सनफार्मा 0.50 फीसदी, नीचे आये।

आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स स्थिर रहा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर, एफएमसीजी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि मेटल और रियल्टी में एक-एक फीसदी से अधिक की गिरावट आई। जियो का आईपीओ 2025 से आगे खिसकने से रिलायंस के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट आई। ट्रंप के भारत के लिए प्रमुख निर्यात श्रेणी, फार्मास्यूटिकल्स के आयात पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से भी बाजार नीचे आया है। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स आज सुबह 90 अंक के करीब नीचे आकर 83,625.89 अंक पर खुला। सुबह यह 114.39 अंक करीब 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 83,598.12 पर कारोबार कर रहा था।

जून 2025 में वाहनों की त्योहार और शादियों ने बढ़ाई मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में सभी सेगमेंट की ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री जून 2025 में सालाना आधार पर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 20.03 लाख यूनिट से ज्यादा हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार कि दोपहिया वाहनों की बिक्री 4.73प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की 6.68प्रतिशत, पैसेंजर व्हीकल की 2.45प्रतिशत, कमर्शियल व्हीकल की 6.6प्रतिशत, ट्रैक्टरों की 8.68प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स की बिक्री 54.95प्रतिशत बढ़ी। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने बताया कि त्योहार और शादी के सीजन ने बिक्री को प्रोत्साहन दिया, लेकिन वित्तीय चुनौतियां, कुछ मॉडलों की सीमित उपलब्धता, शुरुआती मानसूनी बारिश और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने खरीद के पैटर्न को प्रभावित किया। विग्नेश्वर ने बताया कि जून में दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रही, जबकि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में बिक्री में सालाना 2.45प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि मासिक आधार पर इसमें 1.49प्रतिशत की गिरावट रही। भारी बारिश और बाजार में नकदी की कमी से ग्राहक कम हुए, जबकि नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने आंशिक रूप से सहारा दिया। कुछ डीलरों ने यह भी कहा कि कुछ निर्माता कंपनियों ने वॉल्यूम लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अनिवार्य बिलिंग की प्रक्रिया शुरू की, जिससे इन्वेंट्री स्तर करीब 55 दिन तक पहुंच गया।

मंत्री राजवाड़े के प्रयासों ने दी सूरजपुर को शैक्षणिक समृद्धि की सौगात

● 441 लाख की लागत से बनेगी सेंट्रल लाइब्रेरी

विजय मत, रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के युवाओं को एक बड़ी सौगात मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सूरजपुर में सेंट्रल लाइब्रेरी एवं रीडिंग जोन के निर्माण के लिए 441.49 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह अत्याधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी 250 सीटों की क्षमता के साथ विकसित की जाएगी, जिसमें डिजिटल स्टडी मटेरियल, ई-लर्निंग संसाधन, शांत रीडिंग जोन, इंटरनेट सुविधा और पुस्तकालय प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का समावेश होगा। इसका लाभ स्कूली विद्यार्थियों से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और साहित्य प्रेमियों तक को मिलेगा।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह लाइब्रेरी केवल भवन नहीं, बल्कि हमारे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद होगी।

यह ज्ञान आधारित समाज की ओर एक सशक्त कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल शैक्षणिक सशक्तिकरण, क्षेत्रीय संतुलन और अध्ययनशील वातावरण को मजबूती देने में मील का पत्थर साबित होगी। इस निर्णय से सूरजपुर जिले में हर्ष की लहर है। विद्यार्थी, अभिभावक और स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का आभार जताया है और इसे जिले के शैक्षणिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से सौजन्य भेंट की। डेका ने कोविंद को राजकीय गमछा पहनाया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर डेका ने राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

सार समाचार

फाफाडीह एक्सचेंज में ट्रेड यूनियनों का जंगी प्रदर्शन

रायपुर (विजय मत)। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन क्या वहां पर 23 सूत्रीय मांगों के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन प्रदर्शन मशाल रैली का आयोजन आज 9 जुलाई को पूरे देश में किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में रायपुर राजधानी के फाफाडीह चौक स्थित टेलीफोन एक्सचेंज में प्रातः 10:30 बजे से बीएसएनएल हड़ताल पर रहे तथा जंगी नारेबाजी, प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की कर्मचारी मजदूर विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए अपने वेतनमान के लिए हड़ताल पर रहे।

दुकान एवं स्थापनाओं का पंजीयन अब नए नियमों के तहत होगा

रायपुर (विजय मत)। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत दुकान एवं स्थापनाओं के पंजीयन के लिए जारी अधिसूचना के फलस्वरूप, 13 फरवरी से पूर्व में प्रचलित छग दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 1958 निरस्त कर दिया गया है। इसके स्थान पर छ.ग. दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए छ.ग. दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा शर्तों का विनियमन) नियम, 2021 राज्य में 13 फरवरी 2025 से प्रभावशील हो गए हैं।

इस अधिनियम के प्रभावशील होने के पश्चात, दुकान एवं स्थापना पंजीयन का कार्य श्रम विभाग के जिला कार्यालय द्वारा विभागीय पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। यदि किसी दुकान या स्थापना में 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, तो पंजीयन कराना अनिवार्य है। अधिनियम लागू होने के दिनांक से 6 माह की अवधि के भीतर पंजीयन कराना आवश्यक है।

मैनपाट में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का किया अनावरण

छग में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी : मुख्यमंत्री

● बुद्ध प्रतिमा की स्थापना से मैनपाट बनेगा शांति और समावेशी संस्कृति की नई पहचान

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं और भगवान बुद्ध के प्रेम, शांति एवं करुणा के संदेश को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित होटल ग्राउंड परिसर में नवस्थापित भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में इस पावन अवसर पर आमंत्रण के लिए तिब्बती समुदाय के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कई ऐसे स्थल हैं, जहां भगवान बुद्ध की उपासना की जाती है। सिरपुर में बौद्ध, जैन और सनातन परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं, जो राज्य की समावेशी संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन भगवान बुद्ध की करुणा, प्रेम और शांति के सिद्धांतों का सजीव प्रतीक है। आज की दुनिया के लिए उनका संदेश नई आशा और सकारात्मकता का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व भर के नेताओं ने दलाई लामा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं, जो यह दर्शाता है कि भगवान बुद्ध के विचारों का वैश्विक जीवन पर कितना गहरा प्रभाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर स्थल है, जो पर्यटकों को रोमांचित करता है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और राज्य सरकार इसके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति में पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी गई है, और मैनपाट जैसे क्षेत्रों में होम स्टे सुविधा शुरू करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तिब्बती सहकारी समिति की मांग पर मैनपाट स्थित सैला रिसॉर्ट से बौद्ध मंदिर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा प्राचीन बौद्ध मंदिर में शेड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर पौधरोपण किया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में पारंपरिक तिब्बती रीति-रिवाजों के अनुसार मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिससे वातावरण उल्लासमय हो गया।

कार्यक्रम ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, कलेक्टर विलास भोसकर, सेटलमेंट अधिकारी स्वांग यांग्सो, तिब्बती सहकारी समिति के अध्यक्ष तामदिंग सेरिंग, मठ प्रमुख लामा दुब्जे, लामा जिनपा सहित तिब्बती समुदाय के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

कैदी ने गवाह को कॉल कर दी जान से मारने की धमकी

रायपुर (विजय मत)। कांकेर जिला जेल में बंद विचाराधीन कैदियों को पेशी के दौरान मिलने वाली ढील और उनकी बाहरी संपर्क तक पहुंच एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला कांकेर ज़िले के भानुप्रतापपुर से सामने आया है, जहां विचाराधीन कैदी ने अदालत में पेशी के बाद वापसी के दौरान एक गवाह को कॉल कर धमकी दी। इस घटना के सामने आने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। वहीं कॉल रिकार्डिंग सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जानकारी के अनुसार, दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद आरोपी संजू गावड़े को 8 जुलाई को कांकेर जेल से भानुप्रतापपुर कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। पेशी के बाद लौटते समय, शाम करीब 6 बजे उसने भानुप्रतापपुर निवासी गवाह फहीम खान को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दी। फहीम खान ने इस संबंध में लल्लूराम डॉट कॉम को बताया कि धमकी मिलने के बाद उन्होंने मामले की जानकारी अपने परीचित पुलिस अधिकारी को दी।

प्रदेश में अब तक 336.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज, रायगढ़ में सबसे अधिक

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 336.3 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक रायगढ़ जिले में सर्वाधिक 473.5 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 153.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 259.8 मि.मी., सूरजपुर में 403.9 मि.मी., बलरामपुर में 449.5 मि.मी., जशपुर में 421.5 मि.मी., कोरिया में 375.8 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 295.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 304.0 मि.मी., बलौदाबाजार में 291.4 मि.मी., गरियाबंद में 293.9 मि.मी., महासमुंद में 303.8 मि.मी. और धमतरी में 303.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 322.0 मि.मी., मुंगेली में 348.3 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 345.8 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 433.6 मि.मी., सक्ती में 380.3 मि.मी. कोरबा में 436.0 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 324.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 272.7 मि.मी., कबीरधाम में 231.1 मि.मी., राजनांदगांव में 250.5 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 466.9 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 238.4 मि.मी., बालोद में 316.0 मि.मी. और बस्तर जिले में 436.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 262.4 मि.मी., कांकेर में 359.2 मि.मी., नारायणपुर में 314.0 मि.मी., दंतेवाड़ा में 394.7 मि.मी., सुकमा में 204.2 मि.मी. और बीजापुर में 429.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

जैतूसाव मठ की जमीन घोटाला मामले में 4 सदस्यीय जांच कमेटी गठित

विजय मत, रायपुर

रायपुर (विजय मत)। श्री रामचंद्र स्वामी जैतूसाव मठ के ग्राम धरमपुरा प.ह.नं. 78 ट्रस्ट भूमि की नामांतरण पंजी क्रमांक-143 15 जुलाई 1989 द्वारा किए गए कूटरचित नामांतरण, विक्रय व राशि गबन की शिकायत पर रायपुर संभाग के आयुक्त महादेव कावरे ने जांच कमेटी गठित कर दी है।महंत राम आशीष दास द्वारा राज्य शासन, संभागायुक्त रायपुर व कलेक्टर रायपुर से इस पूरे फजीर्वाड़े और दस्तावेजों में की गई कूटरचना की जांच एक उच्च स्तरीय समिति से कराने की मांग की गई थी। महंत राम आशीष दास ने बताया कि श्री रामचंद्र स्वामी जैतूसाव मठ की सेजबहार में 92 एकड़ की बेशकीमती जमीन स्थित है इसकी कीमत करीब 300 करोड़ रुपए अनुमानित बताई जा रही है। इस 92 एकड़ जमीन में से 29 एकड़ जमीन को

वर्ष 2000 में दस्तावेजों में कूटरचना कर विक्रय कर दिया गया है। महंत राम आशीष दास ने बताया कि शासन ने हिंदू धर्मावलंबी की आस्था के बड़े केंद्र श्री रामचन्द्र स्वामी जैतूसाव मठ के इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है।

रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कांवरे ने इस पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति रायपुर संभाग उपायुक्त बीआर जोशी की अध्यक्षता में 4 सदस्यों की समिति गठित की है।

उप मुख्यमंत्री साव से सभी महापौर और आयुक्त इंदौर अध्ययन प्रवास के अनुभव आज करेंगे साझा

● नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

विजय मत, रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव से इंदौर के पांच दिवसीय अध्ययन प्रवास से लौटे सभी महापौर और आयुक्त अपने अनुभव साझा करेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इसके लिए 10 जुलाई को शाम चार बजे नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में कार्यशाला आयोजित की गई है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राज्य के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने इंदौर की बेस्ट प्रेक्टिसेस को लागू करने अध्ययन दौरे से लौटे महापौरों और आयुक्तों के साथ मंथन करेंगे। प्रदेश में स्वच्छता अभियान को लेकर भविष्य की योजनाओं, नवाचारों और

रणनीतियों पर भी कार्यशाला में चर्चा होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत विभिन्न नवाचारों के साथ नित नए प्रयोग कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के सपनों को धरातल पर भी सफल करना हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने आवश्यक कदम उठाने और नवाचारों के अध्ययन के लिए हमारे महापौरों एवं आयुक्तों ने इंदौर शहर का अध्ययन किया है। इस दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर और आयुक्त उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में राज्य के शहरों को स्वच्छ एवं सुविधापूर्ण बनाने विचार व अनुभव साझा किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में देश के अन्य स्वच्छ शहरों की तुलना में हम और क्या बेहतर प्रयास करें, इस पर कार्यशाला में विचार-विमर्श किया जाएगा। देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा वाले इंदौर शहर में इसके लिए क्या काम किए जा रहे हैं, उन्हें परखकर नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपने राज्य में भी लागू करेंगे। राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर और आयुक्त 20 जून से 24 जून तक दो बैचों में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के अध्ययन भ्रमण पर गए थे।

तीन मासूमों के लिए बना वरदान

एक लापता बच्ची की खोज के लिए गठित हुई एस.आई.टी.

● बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा का बेमेतरा दौरा

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा का एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास न केवल निरीक्षण और संवाद तक सीमित रहा, बल्कि यह कई बच्चों और उनके परिजनों के जीवन में उम्मीद और अधिकार का नया उजाला लेकर आया। दौरे के दौरान तीन असाध्य चर्म रोग से पीड़ित बच्चों को उनका जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ, जो अब तक सामाजिक उपेक्षा और दस्तावेजी अभाव के कारण शासन की योजनाओं से वंचित थे।

डॉ. शर्मा को जानकारी मिली थी कि केसडबरी गांव के तीन मासूम बच्चे एक दुर्लभ चर्म रोग से पीड़ित हैं, जिसके कारण समाज में उनके साथ भेदभाव हो रहा था और आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण वे किसी योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इस पर डॉ. शर्मा स्वयं गांव पहुंचीं, बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर उनकी स्थिति को समझा और तीन दिवस के भीतर उनके जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए। अधिकारियों की तत्परता से यह कार्य तय समय में पूर्ण हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को बार-बार क्यों कहना पड़ा एक रहना है 28 तक

विजय मत, रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे साहब 7 तारीख को कुछ घंटों के लिए रायपुर आए थे,साइंस कालेज मैदान की आम सभा में मंच से बैठे-बैठे उन्होने ताड़ लिया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का क्या हाल है? जो भी नेता बोलने के लिए माइक थामता समर्थक उनके पक्ष में नारेबाजी करने लगते थे। सभा इससे बाधित हो रहा था।

जब बारी नेता प्रतिपक्ष महंत की आई तो एक हुल्लड़ ग्रुप ने बेवजह की नारेबाजी शुरू कर दी जिससे महंत जी मंच पर ही झल्ला गए। उन्होने संचाचनलकर्ता को भी फटकारा, फिर बैज को आगे आकर रोकना पड़ा। ये सिलसिला चलते रहा। आखिर में जब खरगे साहब को

बोलने का मौका मिला तो वे बार-बार पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट रहने का अनुरोध करते रहे। उन्होने यहां तक कह दिया यदि 2028 में वापसी करनी है तो सभी को एक रहना होगा। यहां तक कि कांग्रेस मुख्यालय की बैठकों में भी उन्होने एकता का पाठ पढ़ाया।

उन्होने ऐसा क्या महसूस किया कि बार-बार उन्हे एकजुटता के लिए कहना पड़ रहा था। विमानतल पर उन्हे विदाई देने के बाद सभी आला नेताओं ने एक साझा फोटो सेशन हंसते-मुस्कराते हुए करवाकर यह बताने का प्रयास किया कि वे सब एक हैं।

बाहर आते ही सबके के गाड़ी का काफिला बदल गया,अलग दिशा के लिए और सब अपनी पीठ थपथपाने लगे। लेकिन सचिन पायलट के खुपिया तंत्र ने पूरी रिपोर्ट तैयार कर ली है। जिसका असर आने वाले दिनों में दिखेगा,तब तक इंतजार करें।

लखपति महिला पहल पर राष्ट्रीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

● आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को मिलेगा नया आयाम

विजय मत, रायपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ऊअ -ठफ्छट), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'लखपति दीदी बनाने की दिशा में' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ आज रायपुर में हुआ। कार्यशाला जोन-5 के अंतर्गत आने वाले छह राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री शैलेश कुमार सिंह ने किया। सूक्ष्म, लघु

एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के सचिव श्री एस.सी.एल. दास ने भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

सत्र को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन करोड़ 'लखपति दीदियों' को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में एनआरएलएम राज्यों के साथ मिलकर ठोस रणनीति के तहत कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं और लखपति महिला पहल न केवल महिला सशक्तिकरण बल्कि विकसित भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। एमएसएमई मंत्रालय के सचिव श्री दास ने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं का एक सशक्त संगठनात्मक ढांचा तैयार हुआ है। अब समय है कि इन लखपति महिलाओं को सफल उद्यमी के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने महिला उद्यमिता के लिए पंजीयन, वित्तीय सहयोग और कौशल विकास जैसे पहलुओं को महत्वपूर्ण बताया।

छत्तीसगढ़ शासन की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने राज्य में महिला समूहों द्वारा संचालित नवाचारों और लखपति महिला पहल की प्रगति की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि महिलाएं विभागीय अभिसरण के माध्यम से आजीविका गतिविधियों में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय स्वाति शर्मा ने जोन-5 राज्यों द्वारा इस पहल के सफल क्रियान्वयन की सराहना की और सीजीएसआरएलएम द्वारा कार्यशाला के लिए किए गए उत्कृष्ट समन्वय की प्रशंसा की।

मिशन संचालक, सीजीएसआरएलएम जयश्री जैन ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस कार्यशाला में राज्यों द्वारा प्रस्तुतीकरण, विषय आधारित सत्र, उपसमूह चर्चाएं और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

उद्घाटन सत्र में ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव टी.के. अनिल कुमार, छत्तीसगढ़ शासन की प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास निहारिका बारिक सिंह, संयुक्त सचिव ग्रामीण विकास मंत्रालय स्वाति शर्मा तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग छत्तीसगढ़ के सचिव भीम सिंह भी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक सीता शुक्ला। प्रधान संपादक विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997